सुविचार
कभी भी अपने आप को किसी से ज्यादा और किसी से कम मत समझो क्योंकि हर एक प्राणी में ईश्वर का बास है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 10 August 2023 ● Year : 01 ● Issue : 205 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

08
तमन्ना भाटिया बनीं देश की नई नेशनल...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5630
चांदी	:	76.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

चंद्रयान-3 चांद की सतह से एक और कदम नजदीक पहुंचा

NEW DELHI : चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' बुधवार को चांद की सतह के एक और कदम नजदीक पहुंच गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी। चंद्रयान -3 और चंद्रमा की दूरी अब 174 किमी 1437 किमी रह गई है। कक्षा बदलने की प्रक्रिया अब 14 अगस्त को की जाएगी। इसरो ने ट्वीट करते हुए कहा कि 'चंद्रयान-3 चंद्रमा की तीसरी कक्षा में पहुंच गया है। वह चांद के और करीब आ गया है। आज की गई प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 की कक्षा घटकर 174 किमी 1437 किमी रह गई है। अगला ऑपरेशन 14 अगस्त को 11.30 -12.30 बजे की जाएगी।

पश्चिमी सरहद पर 11-17 अगस्त तक ऑपरेशन अलर्ट

JAISALMER : सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर ग्यारह से सत्रह अगस्त तक सरहद पर ऑपरेशन अलर्ट शुरू करेगा। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर किसी भी प्रकार की घुसपैठ या तस्करी की आशंका को देखते हुए बल बीएसएफ भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपनी नियमित गश्त और चौकसी बढ़ाएगा। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार ग्यारह अगस्त से शुरू यह ऑपरेशन सत्रह अगस्त तक चलेगा। बॉर्डर पर तारबंदी के नजदीक जवानों के साथ उनका हौसला अफजाई करने अधिकारी भी तैनात रहेंगे और कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

अरुणाचल रंग महोत्सव एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सिद्धांतों के अनुरूप : प्रधानमंत्री

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाए जा रहे अरुणाचल रंग महोत्सव पर प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के एक ट्वीट को साझा करते हुए लिखा, ह्लअरुणाचल रंग महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम से कहीं अधिक है। यह अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री का उत्सव है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सिद्धांतों के अनुरूप है। यह देखकर अच्छा लगा कि यह कार्यक्रम दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में आयोजित हो रहा है।

विश्व आदिवासी दिवस पर रांची में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन सत्र में शामिल होने जाते सीएम हेमंत सोरेन, शिबू सोरेन व अन्य।

आदिवासी एकजुट होकर लड़ें और आगे बढ़ें : हेमंत सोरेन

झारखंड आदिवासी महोत्सव का शुभारंभ

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस है। इस अवसर पर दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का मौका मिला। इस महोत्सव के अपने मायने हैं। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए आदिवासी समूह नृत्य एवं गायन तो प्रस्तुत करेंगे ही, साथ ही आदिवासी समाज की समस्या एवं अन्य समसामयिक विषयों पर विमर्श का भी कार्यक्रम रखा गया है। इस महोत्सव से आदिवासी जीवन दर्शन और लोक संस्कृति को एक अलग और विशिष्ट पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मैं देश के 13 करोड़ से ज्यादा आदिवासियों भाइयों-बहनों से एक होकर लड़ने एवं बढ़ने का अपील करता हूं। गोंड, मुंडा, भील, कुकी, मीणा, संथाल, असुर, उरांव, चेरो आदि सभी को एकजुट होकर सोचना होगा। आज देश का आदिवासी समाज बिखरा हुआ है। हम जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर बंटे हुए हैं जबकि सबकी संस्कृति एक है। खून एक है, तो समाज भी एक होना चाहिए। हमारा लक्ष्य भी एक होना चाहिए। हमारी समस्या का बनावट लगभग एक जैसा है, तो हमारी लड़ाई भी एक होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग सभी हिस्सों में आदिवासी समाज को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा। केंद्र तथा राज्य में सरकार चाहे किन्हीं की हो आदिवासी समाज के दर्द को कम करने के लिए कभी समुचित प्रयास नहीं किये गये। हमारी व्यवस्था कितनी निर्दयी है? कभी यह पता लगाने का काम भी नहीं किया कि कहां गए खदानों, डैमों, कारखानों के द्वारा विस्थापित किये गए लोग? खदानों, उद्योगों और डैमों से विस्थापित-बेघर हुए लोगों में से 80 प्रतिशत आदिवासी हैं। लाखों लोगों को भाषा, संस्कृति की जड़ों से काट दिया गया। कल का किसान आज वहां साइकिल पर कोयला बेचने को मजबूर है। बड़े-बड़े शहरों में जाकर बर्तन धोने, बच्चे पालने या ईंट भट्ठों में बंधुआ मजदूरी करने के लिए विवश किया गया है।

नृत्य, संगीत के साथ संघर्ष आदिवासी समाज की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि नृत्य, संगीत के साथ-साथ सदैव संघर्ष आदिवासी समाज की मुख्य पहचान है। आज जब मैं आदिवासी महोत्सव के मंच से बोल रहा हूं तो बिना झिझक कहना चाहूंगा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे आदिवासी भाई-बहन प्रताड़ना झेलने को विवश हैं। अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, तमिलनाडु और मणिपुर में हजारों घर जल कर तबाह हो गए। सैकड़ों लोगों को मारा गया। महिलाओं की इज्जत के साथ खिलवाड़ हुआ। दरअसल, यह सदियों से चले आ रहे संघर्ष का ही विस्तार है। संघर्ष है वर्चस्ववादी ताकतों और समानता- भाईचारे की ताकतों के बीच। संघर्ष है धार्मिक कट्टरपंथियों और 'जियो और जीने दो' की उदार ताकतों के बीच। संघर्ष है भविष्यवादी, भाग्यवादी चिंतकों और वर्तमान को समृद्ध करने वाली शक्तियों के बीच। संघर्ष है प्रकृति पर कब्जा करने वाली विनाशकारी शक्तियों एवं प्रकृति का सहयोगी-सहभोगी बनकर रहने वाली श्रमजीवी एवं साहसी शक्तियों के बीच।

राहुल ने खुद को बताया आदिवासियों का सिपाही

AGENCY UDAYPUR : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आदिवासी समाज को भी अपने सपने पूरा करने का हक है। कांग्रेस की सरकार आदिवासियों के हित में सोचने वाली सरकार है। राहुल ने खुद को उनका सिपाही बताते हुए कहा कि आज जब चाहें मुझे तलब कर अपनी समस्या बता सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में किया गया। राहुल ने अपनी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का

जिक्र कर कहा कि उन्होंने समझाया था कि आदिवासी हिंदुस्तान के पहले निवासी हैं और यह सारी जमीन आदिवासियों की थी। वे कहती थीं कि आज के मॉडर्न समाज को आदिवासियों से जिंदगी जीना सीखना चाहिए। जल-जंगल-जमीन से कैसा रिश्ता होना चाहिए, यह उनसे सीखना चाहिए। आजादी की लड़ाई में आदिवासियों के योगदान का जिक्र कर राहुल ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आदिवासियों के लिए नया शब्द गढ़ा है। भाजपा उन्हें वनवासी कहती है। वनवासी का मतलब है जंगल में रहने वाले, भाजपा चाहती है कि आप जंगल में ही रहो। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासियों से जमीन लेकर अडानी को दे देती है। यह आदिवासी समाज का अपमान है। यह देश का अपमान है। कांग्रेस आपको आदिवासी कहती है। यह पूरा देश आपका है। आप जो चाहें वह करें, जहां चाहें वहां करें और उसमें सफलता प्राप्त करें। कांग्रेस आदिवासी समाज को अवसर देना चाहती है। राहुल गांधी लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने के बाद इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हुए थे। संसद में अपने भाषण का जिक्र कर राहुल ने कहा कि भाजपा ने हिंदुस्तान की आवाज को दबाया है। तीन-चार महीने से मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री चुप हैं।

DUMRI BYELECTION
नामांकन आज से 17 तक

बोकारो व गिरिडीह में आचार संहिता लागू

PHOTON NEWS RANCHI : डुमरी विधानसभा उपचुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही गिरिडीह और बोकारो जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। इस दौरान जिले भर में किसी प्रकार के उद्घाटन, शिलान्यास, धरना, प्रदर्शन जैसे कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जायेंगे। वहीं, किसी भी स्थिति में आचार संहिता का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य भी तीव्र गति से चलाया जा रहा है। 75 प्रतिशत से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने के लिए कई स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। बता दें भारत निर्वाचन आयोग ने डुमरी विधानसभा उपचुनाव की तारीख की घोषणा की है। इसके तहत पांच सितंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना आठ सितंबर को होगी। इसके पूर्व 10 से 17 अगस्त तक नामांकन, 18 अगस्त को स्क्रूटनी होगी जबकि नाम वापसी की तिथि 21 अगस्त है। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने डुमरी उपचुनाव से संबंधित पूरी जानकारियां विस्तारपूर्वक दी। डुमरी उपचुनाव

की तिथि की घोषणा होने के साथ ही गिरिडीह के सरिया-बगोदर अनुमंडल पदाधिकारी ने इलाके में 144 लागू कर दी है। इसको लेकर सरिया-बगोदर के एसडीओ कुंदन कुमार ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश में साफ तौर पर इसका जिक्र किया गया है कि 144 लागू होने के बाद पूरे इलाके में किसी प्रकार के घातक हथियार, आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने एवं ले जाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह निषेधाज्ञा सरकारी पदाधिकारी, कर्मचारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्तव्य पर तैनात पुलिस बल पर नेपालियों द्वारा खुखरी धारण तथा सिखों द्वारा कृपाण करने पर लागू नहीं होगी। इसके अलावे सरकारी-अर्द्धसरकारी एवं स्थानीय संकायों जैसे महाविद्यालय, उच्च विद्यालय या फिर किसी भी आम भूमि पर जुलूस निकालने पर मनाही कर दी गयी है।

लोकसभा में भीषण 'शब्द युद्ध'

मणिपुर में भारत माता की हुई हत्या, सदन में बोले राहुल गांधी

AGENCY NEW DELHI : संसद के मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव पर दूसरे दिन की बहस राहुल गांधी की स्पीच के साथ शुरू हुई। राहुल ने अपने 35 मिनट के भाषण में भारत जोड़ो यात्रा और मणिपुर पर बात की। राहुल ने कहा- हमारे प्रधानमंत्री आज तक मणिपुर नहीं गए। उनके लिए मणिपुर हिंदुस्तान नहीं है। मैं रिलीफ कैंप गया। महिलाओं और बच्चों से बात की। प्रधानमंत्रीजी ने आज तक नहीं किया। सेना एक दिन में वहां शांति ला सकती है। आप ऐसा नहीं कर रहे हो, क्योंकि आप हिंदुस्तान में मणिपुर को मारना चाहते हो। आप भारत माता के रखवाले नहीं, आप भारत माता के हत्यारे हो। बाद में मणिपुर पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- मैं विपक्ष की इस बात से सहमत हूं कि मणिपुर में हिंसा का तांडव हुआ है। घटना शर्मनाक है और उस पर राजनीति करना और भी ज्यादा शर्मनाक है। शाह ने मणिपुर में दोनों गुटों से शांति बनाए रखने का प्रस्ताव रखा। विपक्ष की ना-नुकुर के बीच इसे ध्वनि मत से पास किया गया। इससे पहले राहुल के भाषण के जवाब में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी बोलीं- राहुल भारत माता की हत्या की बात करते

हैं। कांग्रेस ताली बजाती है। ये इस बात का संकेत है कि मन में गद्दारी किसके है। राहुल गांधी को लेकर एक नया विवाद भी हो गया। स्मृति ने राहुल गांधी पर महिला सांसदों के साथ अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया। भाजपा ने इसकी शिकायत स्पीकर से की है। राहुल बोले- जैसे मैंने भाषण की शुरूआत में बोला कि भारत एक आवाज है। जनता की आवाज है, दिल की आवाज है। उस आवाज की हत्या आपने मणिपुर में की, इसका मतलब भारत माता की हत्या आपने मणिपुर में की। आप देशद्रोही हो, आप देशभक्त नहीं हो। इसीलिए आपके प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जा सकते हैं, क्योंकि उन्होंने मणिपुर में हिंदुस्तान, भारत माता की हत्या की है। आप भारत माता के रखवाले नहीं, आप भारत माता के हत्यारे हो। स्पीकर बिड़ला बोले- भारत माता हमारी मां है,

कांग्रेस के मन में गद्दारी को देख रहा देश, गरजीं स्मृति

सदन में बोलते वक्त मयार्दा का ध्यान रखें। इस पर राहुल बोले- मैं अपनी मां की बात कर रहा हूं। आपने मणिपुर में मेरी मां की हत्या की। एक मां यहां बैठी है, दूसरी की हत्या आपने मणिपुर में की। सेना एक दिन में वहां शांति ला सकती है। आप ऐसा नहीं कर रहे हो, क्योंकि आप हिंदुस्तान में मणिपुर को मारना चाहते हो।

स्मृति ईरानी ने कहा- आप इंडिया नहीं हैं

स्मृति ईरानी ने कहा- आप इंडिया नहीं हैं। पहली बार राष्ट्र के इतिहास में भारत मां की हत्या की बात की। कांग्रेस पार्टी यहां तालियां बजाती रही। जो भारत की हत्या की बात पर तालियां पीटते हैं, इस बात का संकेत पूरे देश को दिया कि मन में गद्दारी किसके है। मैं आज हिंदुस्तानी होने के नाते कहती हूं, मणिपुर खंडित-विभाजित नहीं है, मेरे देश का अंग है। इन्हीं के अलायंस के सदस्य ने तमिलनाडु में कहा- भारत का मतलब मात्र उत्तर भारत नहीं है। राहुल के अंदर हिम्मत हो तो वो अपने साथी के बयान का खंडन करें। कांग्रेस के एक साथी ने कश्मीर में रेफरेंडम की बात की। आप में हिम्मत हो तो कश्मीर को देश से अलग करने की साजिश में उसका क्या रोल है, आप बताएं। आप भारत नहीं हैं। स्मृति ने कहा- शायद अपने ही कोलाहल में सुन ना पाए हों, मणिपुर ना खंडित था, ना है और ना होगा। देश का अभिन्न अंग है। हमारे राष्ट्र के संसदीय इतिहास में आज तक भारत मां की हत्या की बात करने वाले कभी भी बैठकर मेज नहीं थपथपाते। कांग्रेसियों ने मां की हत्या के लिए आज बैठकर मेज थपथपाई है। ये इंसाफ की बात करते हैं, ये चेहरा धूमिल है। मैं बताऊं किसका चेहरा है? ये चेहरा है गिरिजा टिक्कू का। 90 के दशक में एक महिला यूनिवर्सिटी में अपना पे चेक लेने जाती है। बस से घर लौटने का प्रयास करती है। उसको 5 मर्द बस से खींच कर टैक्सी में ले जाते हैं, बलात्कर करते हैं और फिर आरी से उसका बदन काट देते हैं। जब उनके जीवन पर बनी फिल्म आई तो कांग्रेस के कुछ प्रवक्ताओं ने उसे प्रोपेगैंडा कहा।

वर्ल्ड कप का नया शेड्यूल जारी, 9 मैचों की तारीखें बदलीं, सबसे रोमांचक मुकाबला होगा अहमदाबाद में

14 अक्टूबर को भारत-पाक के बीच 'क्रिकेटिया जंग'

AGENCY NEW DELHI : इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। अपडेट शेड्यूल में 9 मुकाबलों की तारीखें बदली गई हैं। भारत-पाकिस्तान मैच अब 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में ही खेला जाएगा। वहीं 12 नवंबर को कोलकाता में होने वाला पाकिस्तान-इंग्लैंड मैच अब 11 नवंबर को होगा। टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में अपना आखिरी मैच 11 नवंबर को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलने वाली थी, लेकिन यह मैच अब 12 नवंबर को बेंगलुरु में होगा। वर्ल्ड कप में 9 मैच री-शेड्यूल किए गए हैं, लेकिन किसी भी मैच का वेन्यू चेंज नहीं किया गया। भारत-पाकिस्तान मैच की तारीख बदलने के चलते इंग्लैंड-बांग्लादेश और श्रीलंका-पाकिस्तान मैच को भी री-शेड्यूल करना पड़ा। अब 10 अक्टूबर को इंग्लैंड-बांग्लादेश और पाकिस्तान-श्रीलंका के मैच होंगे। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच बड़ा मुकाबला लखनऊ में 13 की जगह 12 अक्टूबर को खेला जाएगा। अपडेट शेड्यूल में पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश और इंग्लैंड के भी 3-3 मैचों की तारीखें बदली गई हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत के 2-2 मैच री-शेड्यूल किए गए हैं, वहीं न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और नीदरलैंड का भी एक-एक मैच री-शेड्यूल करना पड़ा है। मैच री-शेड्यूल करने का मुद्दा 2 सप्ताह पहले शुरू हुआ, जब अहमदाबाद पुलिस ने कहा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले की सिक्योरिटी देने में दिक्कतें आ सकती हैं क्योंकि 15 अक्टूबर को ही हिंदू त्योहार नवरात्रि भी शुरू हो रहा है, जिसके चलते पुलिस को एक साथ 2 जगह सिक्योरिटी प्लानिंग करनी पड़ जाएगी। सिक्योरिटी के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच मैच अब 14 अक्टूबर को री-शेड्यूल किया गया। इसे मैनेज करने के चक्कर में 10 से 15 अक्टूबर के बीच 5 और मुकाबलों को भी री-शेड्यूल करना पड़ा। अहमदाबाद के बाद पिछले सप्ताह ही कोलकाता पुलिस ने कहा कि 12 अक्टूबर को कालीपूजा त्योहार के कारण उन्हें पाकिस्तान-इंग्लैंड मैच की सिक्योरिटी में दिक्कतें आ सकती हैं। जिसके चलते पाक-इंग्लैंड मैच अब 11 अक्टूबर को कोलकाता में ही खेला जाएगा। वहीं 12 अक्टूबर को अब भारत और नीदरलैंड के बीच मुकाबला बेंगलुरु में खेला जाएगा, जो पहले 11 नवंबर को खेला जाना था।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से होगा

भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 5 अक्टूबर को पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। 12 नवंबर तक ग्रुप स्टेज के 45 मैच होंगे। 15 और 16 नवंबर को 2 सेमीफाइनल और 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेला जाएगा।

ई-मेल से प्रधानमंत्री को बम से उड़ाने की मिली धमकी

PUNE : पुणे में रहने वाले एक व्यक्ति को ई-मेल के जरिए धमकी का मैसेज मिला है। एमए मोखीम नाम के इस शख्स ने भारत में कई जगहों पर बम धमाके करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बम से उड़ाने की धमकी दी है। ई-मेल भेजने वाले मोखिम ने कहा है कि वह कई आतंकी संगठनों को फंडिंग करता हैं। भारत से हिंदू महिलाओं और हिंदुओं को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। मोखीम ने भारत में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री को भी बम से उड़ाने की धमकी दी है। यह ई-मेल मिलने के बाद पुणे शहर पुलिस बल के नियंत्रण कक्ष को इस बारे में सूचित किया गया है। पुणे के अलंकार पुलिस थाने में इस बारे में मामला दर्ज किया गया है। पुणे में पिछले कुछ दिनों से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है।

ज्ञानवापी सर्वे के खिलाफ कोर्ट में फिर याचिका दायर

VARANASI : ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे पर रोक के लिए बुधवार को मुस्लिम पक्ष एक बार फिर कोर्ट पहुंचा। मुस्लिम पक्ष ने जिला कोर्ट में सर्वे रोकने के लिए याचिका दाखिल की। इसमें 5 तकनीकी पॉइंट्स को आधार बनाते हुए सर्वे पर रोक लगाने की मांग की गई। कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली है। साथ ही सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख दी है। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि सर्वे में कई खामियां हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि बिना फीस दिए ही सर्वे हो रहा है। ये मानक के विपरीत है। उन्होंने कहा कि नियमों का अनुपालन करने के बाद सर्वे हो, तब तक इसे रोका जाए। वहीं, हिंदू पक्ष ने कहा, हम लिखित में जवाब देंगे। इसके लिए कुछ समय चाहिए। फिलहाल कोर्ट ने सर्वे पर रोक

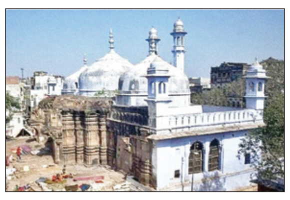

नहीं लगाई है। हिंदू पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए 17 अगस्त तक का समय दिया गया है। तब तक सर्वे यूं ही चलता रहेगा। हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया, जिला कोर्ट में मीडिया कवरेज और सर्वे की फीस वाले मुस्लिम पक्ष के प्रार्थना पत्र की सुनवाई हुई। जज ने निर्देश दिए हैं कि सर्वे वाले स्पॉट पर जाकर किसी प्रकार की रिपोर्टिंग नहीं होगी। एएसआई के लोग मीडिया को कोई रिपोर्ट नहीं देंगे। ऐसे विषय सोशल मीडिया पर भी नहीं चलने चाहिए, जिससे शान्ति भंग की आशंका हो।

BRIEF NEWS

प्रदेश कांग्रेस ने मनाया अगस्त क्रांति शहीद दिवस

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को कांग्रेस भवन रांची में अगस्त क्रांति शहीद दिवस मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने वीर शहीदों के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नौ अगस्त के दिन ही नारा दिया गया था कि अंग्रेजों भारत छोड़ो। इसलिए कांग्रेस पार्टी ने सभी शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज देश में जिस तरह से हालात बने हैं, ऐसे में देश की आजादी को बचाए रखना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज हम लोग संकल्प लेते हैं कि जो हम लोगों ने संविधान दिया है उसे बचाए रखेंगे। इस मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश प्रवक्ता डॉ एम तौसीफ, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीतराज, उज्जवल तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने विश्व आदिवासी दिवस" की राज्य वासियों को शुभकामनाएं दी है।उन्होंने बुधवार को कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। ये प्रकृति के उपासक होते हैं तथा इनकी समृद्ध कला और संस्कृति की विश्वस्तरीय पहचान है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है।

सदियों से प्रकृति के पूजक रहे हैं आदिवासी, बोले मंत्री रामेश्वर उरांव

LOHARDAGA : विश्व आदिवासी दिवस पर जिला प्रशासन ने नगर भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव की मौजूदगी में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना से हुआ। ग्रामीण कलाकारों के अलावा स्कूली बच्चों ने नृत्य-गीत के साथ रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके पूर्व नगर भवन तक रैली भी निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। रामेश्वर उरांव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी सदियों से प्रकृति के पूजक रहे हैं और प्रकृति से इनका गहरा लगाव है। आज आदिवासी प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। अभी इन्हें और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इनके लिए सरकार ने आरक्षण की व्यवस्था की है। आरक्षण का लाभ इन्हें मिलना ही चाहिए। राज्य सरकार आदिवासियों के विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। कार्यक्रम में जिले के उपायुक्त डॉ प्रसाद कृष्ण वाघमारे, एसपी आर राम कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारी पुलिस अधिकारी एवं आदिवासी समाज के अगुआ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मनरेगा में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं हुई तो पैसा रोकेंगे : निरंजन ज्योति

NEW DELHI : केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने बुधवार कहा कि केंद्र सरकार के नियम सभी राज्यों के लिए समान हैं। मनरेगा में कहीं भ्रष्टाचार होगा और उसपर कार्रवाई नहीं होगी तो सरकार फंड रोकेगी। साध्वी ज्योति ने अविश्वास प्रस्ताव के बीच में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा में भ्रष्टाचार हुआ है। यह बात स्थानीय अधिकारियों ने भी स्वीकार की है। केंद्र सरकार ने कार्रवाई करने को कहा, लेकिन राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। केंद्र सरकार के नियम सभी राज्यों के लिए समान हैं और भ्रष्टाचार होगा तो केंद्र सरकार फंड रोकेगी।

JMM-CONGRESS सरकार ग्रामीणों को स्वच्छ जल उपलब्ध करवाने में विफल

सांसद ने झारखंड में जलापूर्ति की समस्या पर लोकसभा का ध्यान आकृष्ट किया

PHOTON NEWS RAMGARH : सांसद सह अध्यक्ष वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति जयंत सिन्हा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हजारीबाग लोकसभा का नेतृत्व कर रहे हैं। वे सदन में देश, झारखण्ड व हजारीबाग एवं रामगढ़ से जुड़े अनेक मुद्दे उठा रहे हैं।

सांसद जयंत सिन्हा ने लोकसभा में नियम 377 के तहत झारखण्ड में जलापूर्ति की समस्या के गंभीर मामले पर सदन का ध्यान आकृष्ट करवाया है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में जेएमएम-कांग्रेस सरकार 'जल जीवन मिशन' हर घर जल योजना के तहत ग्रामीण आबादी को नल का पानी उपलब्ध करवाने में बेहद खराब प्रदर्शन कर रही है।

गांवों में पानी की समस्या का मुआयना करते सांसद जयंत सिन्हा • फोटोन न्यूज

जल राज्य का विषय है और इसलिए घरों में नल का पानी उपलब्ध करवाने के लिए जल संबंधी योजनाओं को लागू करवाने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की है। जुलाई, 2023 तक झारखण्ड में केवल 39.02 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने नल कनेक्शन की सूचना दी है। इसे परिप्रेक्ष्य में रखें तो झारखण्ड में 37 लाख से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल के स्वच्छ पानी का कनेक्शन नहीं है। इसकी तुलना में गुजरात और हरियाणा जैसे राज्यों में जल जीवन मिशन के तहत 100 प्रतिशत नल कनेक्शन हैं।

सदन में अपनी बात रखते सांसद जयंत सिन्हा • फोटोन न्यूज

सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि ऐसे समय में जब हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और विश्व गुरु बनने के लिए तैयार है, वहां झारखण्ड राज्य अपनी ग्रामीण आबादी को घरों में नल का पानी उपलब्ध करवाने में भी असमर्थ है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वे 'जल जीवन मिशन' हर घर जल योजना के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार को सख्त निर्देश दें।

सीएम के काफिले पर हमला मामले में भैरव सिंह की डिस्चार्ज याचिका खारिज

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने हिंदूवादी नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काफिले पर हमला करने के आरोपित भैरव सिंह की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी है। भैरव सिंह ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर निचली अदालत द्वारा उसके खिलाफ किये गए आरोप गठन को चुनौती दी थी। जस्टिस नवनीत कुमार की कोर्ट में बुधवार को मामले की सुनवाई हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आरोप गठन को सही करार देते हुए डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी। यह मामला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काफिले पर हमले से जुड़ा हुआ है, जिसमें भैरव सिंह समेत कई लोग अभियुक्त हैं। इस मामले में भैरव सिंह को हाई कोर्ट से बेल मिली थी। निचली अदालत में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है।

संजीव बेदिया को झामुमो का केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर भुरकुंडा में सम्मान समारोह का आयोजन

यह सिर्फ मेरा नहीं बल्कि पूरे झामुमो कार्यकताओं का सम्मान है : संजीव बेदिया

PHOTON NEWS RAMGARH : झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी की ओर से संजीव बेदिया को पुनः झामुमो का केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है। लोगों के बीच मिठाई का वितरण करते हुए झामुमो के प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, संजय वर्मा, मुकेश राउत व हरिलाल बेदिया ने बताया कि पदाधिकारी नियुक्ति की घोषणा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन द्वारा किया गया है।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवार को झामुमो के प्रधान कार्यालय भुरकुंडा में स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के दर्जनों कार्यकताओं द्वारा केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया को बुके देकर स्वागत किया गया। साथ ही फूल माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि रामगढ़, हजारीबाग जिला में संजीव बेदिया हमेशा गरीब-असहाय, आदिवासी, मूलवासी व मजदूरों के हक-अधिकार के लिए आवाज बुलंद करते रहे हैं। साथ ही लोगों के लिए मसीहा बनकर निरंतर सेवाभाव से वर्षों से पार्टी के लिए काम करते आये हैं। हमलोगों के लिए गर्व की बात है कि संजीव बेदिया जैसे साफ छवि के नेता हमारे पास हैं।

केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया का स्वागत करते झामुमो के लोग। • फोटोन न्यूज

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया ने कहा कि पार्टी ने हमें सबकुछ दिया है, जिसका कर्ज मैं नहीं चुका सकता। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन एवं हेमंत सोरेन ने मुझे पार्टी का केंद्रीय सचिव एवं झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य और हजारीबाग जिला का संयोजक बनाया है यह पूरे झामुमो परिवार का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि झामुमो के एक-एक कार्यकर्ताओं का सम्मान है।

बेदिया ने कहा कि झामुमो हमेशा गरीब, वंचित, असहायों के हक-अधिकार के लिए संघर्ष करती रही है जो आगे भी जारी रहेगा। संजीव बेदिया ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन की सरकार सभी क्षेत्रों में कई विकास के कार्य की है जो इतिहास है। हमलोगों को आने वाले विगत वर्षों के चुनाव में भाजपा एवं आजसू गठबंधन को धूल चटाते हुए केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकना है। जिसकी तैयारी में झामुमो कार्यकर्ता अभी से ही एकजुट होकर लग जाएं।

सम्मान समारोह में पार्षद जयराम बेदिया, प्रखंड प्रमुख कौशल्या देवी, प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, संजय वर्मा, हरिलाल बेदिया, रोहन बेदिया, बीरेन्द्र यादव, मुकेश राउत, उदय मालाकार, चरेंद्र बेदिया, शौकत अंसारी, मो. इसलाम, सीताराम बेदिया, गुदरिया बेदिया, टिंकु बेदिया, किशोर प्रजापति, सत्यनारायण यादव, चरकू गंझू, शशिकांत प्रसाद, कामेश्वर करमाली, बिहारी बड़ाईक, राजेश प्रसाद, रमेश प्रसाद, मुकेश पासवान, तुला खान, बासदेव उरांव सहित झामुमो के दर्जनो लोग मौजूद थे।

केजरीवाल ने कांग्रेस नेताओं को विधेयक पर समर्थन के लिए दिया धन्यवाद

दिल्ली विधेयक पर कांग्रेस के विरोध को दशकों तक याद रखा जाएगा : अरविंद केजरीवाल

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर दिल्ली सेवा विधेयक को खारिज करने और इसके खिलाफ वोट करने में समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया है।

कांग्रेस नेताओं को लिखे अपने पत्रों में, केजरीवाल ने कहा कि वह जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक, 2023 को अस्वीकार करने और उसके खिलाफ मतदान करने में आपकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के दो करोड़ लोगों की ओर से आभार व्यक्त करते हैं।

कांग्रेस की सराहना करते हुए उन्होंने आगे कहा कि विधेयक पर कांग्रेस के विरोध को ह्लदशकों तक याद रखा जाएगाह्व। केजरीवाल ने कहा कि वह संविधान को कमजोर करने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ाई में निरंतर समर्थन की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा,

अरविंद केजरीवाल की फाईल फोटो।

ह्लमैं संसद के अंदर और बाहर दिल्ली के लोगों के अधिकारों की वकालत करने के लिए हार्दिक सराहना करना चाहता हूं। मुझे यकीन है कि हमारे संविधान के सिद्धांतों के प्रति आपकी अटूट निष्ठा दशकों तक याद रखी जाएगी।ह्व

कांग्रेस और उसके सहयोगियों के विरोध के बावजूद राज्यसभा ने सोमवार को विधेयक पारित कर दिया। 03 अगस्त को लोकसभा में पारित हुआ यह विधेयक दिल्ली में नौकरशाहों पर केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल को नियंत्रण प्रदान करता है। एक बार जब राष्ट्रपति विधेयक पर हस्ताक्षर कर देते हैं और इसे अधिसूचित कर दिया जाता है, तो यह 11 मई के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को प्रभावी ढंग से पलटने के लिए मई में जारी अध्यादेश का स्थान ले लेगा, जिसने पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर नौकरशाही का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

खराब स्वास्थ्य के बावजूद राज्य सभा में उपस्थित होने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सराहना करते हुए केजरीवाल ने कहा कि राज्यसभा में आपकी उपस्थिति ने उन सभी ताकतों को एक जोरदार और स्पष्ट संदेश दिया जो भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के सिद्धांतों के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता दशकों तक याद रखी जाएगी, और आने वाली पीढ़ियों के सांसदों को गहराई से प्रेरित करेगी।

युवा कांग्रेस का 63वीं स्थापना दिवस पर कांग्रेस भवन पर झंडोत्तोलन सह शपथ ग्रहण

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय युवा कांग्रेस के 63वीं स्थापना दिवस बुधवार को कांग्रेस भवन में मनाया गया। इस दौरान झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज के द्वारा युवा कांग्रेस की झंडोत्तोलन किया गया। साथ ही सभी पदाधिकारी और कार्यकताओं के द्वारा सामूहिक शपथ भी ली गई।

मौके पर युवा कांग्रेस के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता ने त्याग, न्याय, शान्ति, धर्म, विज्ञान, समृद्धि और सत्य के रास्ते पर चलने, देश की बहु सांस्कृतिक, भाषीय, धार्मिक एवं क्षेत्रीय विविधताओं के ढांचे के सदभावना एवं सर्व-धर्म-संभाव के सिद्धांत को बनाये रखेंने, समाज के लिए आज नासूर बनी विभिन्न सामाजिक कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा,भारत वर्ष को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए वचनबद्ध है एवं इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कोई कसर नहीं छोडेंने की, पूर्ण रोजगार के स्वप्न को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखेंने, समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर महिलाओं एवं शोषित वर्ग के विकास एवं उत्थान के

लिए कार्यरत रहेंने, युवाओं से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा अपने महान नेताओं के सपनों को साकार करते हुए राष्ट्र निर्माण का कार्य करते रहने,

घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी आदि को जड़मूल से दूर करने की, पोलियो, टी. बी. जैसी घातक बीमारियों पर कुठाराघात करके देश को उनसे मुक्ति दिलाने की , आतंकवाद के संपूर्ण विनाश तक इसका मुकाबला करते रहने की, अन्य विशेष राष्ट्र निर्माण हेतु सामूहिक शपथ ली गई।

स्थापना दिवस के कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज, प्रदेश उपाध्यक्ष उज्जवल प्रकाश तिवारी, प्रदेश महासचिव सह रांची जिला प्रभारी फहद खान, रांची जिला सह प्रभारी संजीव सिंह, प्रदेश महासचिव सत्यम सिंह,रांची जिला अध्यक्ष जमील अख्तर, रांची जिला महासचिव मोहम्मद इनायातुल्लाह, रांची विधानसभा अध्यक्ष गौरव सिंह, कांके विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद खालिद सैफुल्लाह, हटिया विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद जिया, हिंदपीढ़ी प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल रहमान, लोवर बाजार प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद अनस, मोहम्मद कलीम, हिंदपीढ़ी उपाध्यक्ष मोहम्मद हसन ,मोहम्मद मोहसिन ,मोहम्मद हसनैन, फैजान, आरफिन, जैद अन्य उपस्थित थे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति समाज की भूमिका अविस्मरणीय : सीपी राधाकृष्णन

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज भवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को जनजातीय समुदाय की विभिन्न हस्तियों और प्रबुद्धजनों से संवाद किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति समाज की भूमिका अविस्मरणीय है। उन्होंने प्रबुद्धजनों से कहा कि वे समाजहित में सक्रियता से कार्य करने के लिए सदैव प्रयासरत रहें तथा शिक्षित एवं ज्ञानवान समाज के निर्माण में अपनी अहम भागीदारी का निर्वहन करें। आपको समुदाय के लिए प्रेरणादायक कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में कहीं समस्याएं हैं, तो वहां जाकर उसका समाधान करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड वीरों की भूमि है। धरतीआबा भगवान बिरसा मुंडा सहित कई महान हस्तियों ने मातृभूमि और समाज के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। प्रधानमंत्री ने उल्लेखनीय पहल करते हुए धरतीआबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। राष्ट्र के लिए उनके द्वारा किये गये बलिदान से भावी पीढ़ियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल व अन्य। • फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने कहा कि जनजाति समाज प्रकृति प्रेमी होते हैं। ग्लोबल वार्मिंग के इस युग में प्रकृति के संरक्षणके लिए इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग बड़े शहरों में रहते हैं, उनके पास बड़ी इमारतें हैं, सुख-सुविधाओं से घिरे हुए हैं, लेकिन वे दुखी हैं। ऐसे में झारखंड के छोटे-छोटे ग्रामों में रहने वाले लोगों को देखना चाहिए। वे खुश हैं क्योंकि आत्मसंतोष अथवा संतुष्टि की भावना है और वे लालच से दूर अपनी कड़ी मेहनत पर भरोसा करते हैं।

राज्यपाल ने कहा जनजातियों की कला, संस्कृति, लोक परंपरा और रीति-रिवाजों में जीवंतता है। पारंपरिक गीत और नृत्य बहुत आकर्षक होते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड एवं तमिलनाडु की संस्कृति एवं खानपान में काफी एकरूपता है, सिर्फ भाषायी अंतर है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारे देश की संस्कृति अत्यन्त समृद्ध है। उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचायतों के भ्रमण के क्रम में देखा है कि यहां की आदिवासी समाज की महिलाएं परिश्रमी हैं। वे स्वयं सहायता समूह से जुड़ रही हैं, इससे जुडने के बाद उनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यहां के जनजाति समुदाय के लोग कई क्षेत्रों, विशेषकर कला, साहित्य और खेल के विभिन्न रूपों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। झारखंड को ₹लैंड ऑफ आर्चरी₹ के रूप में जाना जाता है। यहां के विभिन्न खिलाड़ियों और एथलीटों ने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन हमें देखना होगा कि इनकी संख्या क्या है? हमें खेल के क्षेत्र में इन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

झामुमो जिला कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

हमें प्रकृति की रक्षा और उसका सम्मान करने की सीख देता है विश्व आदिवासी दिवस : राजेन्द्र सिन्हा

PHOTON NEWS PALAMU : झामुमो के जिला कार्यालय में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह आदिवासी नेता बालकिशन उरांव, पाहन मनेश उरांव, दाऊद केरकेट्टा, दिलीप कोरबा, निरंजन सिंह चेरो ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। झामुमो जिला कार्यालय में आदिवासी परंपरा के अनुसार पाहन के द्वारा शहीद वेदी की पूजा की गई और जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा द्वारा वरिष्ठ आदिवासी नेताओं को पगड़ी और माला पहना कर सम्मान किया गया। साथ ही झामुमो के सभी नेता,

बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते झामुमो कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

पदाधिकारी जुलूस की शक्ल में पूरे शहर का भ्रमण करते हुए स्टेशन रोड स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

जिला अध्यक्ष ने बताया झामुमो द्वारा पूरे झारखंड में आज आदिवासियों के सम्मान में उत्सव की तरह विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। यह विश्व आदिवासी दिवस संतुलित विकास और स्थिरता प्राप्त करने के लिए आदिवासी आवाजों को सुनने और साझेदारी को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह दिवस हमें प्रकृति की रक्षा करने और उसका सम्मान करने को सिखाता है। हेमंत सरकार ने आदिवासी समुदायों की जीवन स्थितियों में सुधार करने और उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाए हैं, जैसे कानूनी प्रणालियों को मजबूत करना, शैक्षिक सहायता प्रदान करना, उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत करना। आज हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में आदिवासी समाज एवं दबे कुचले लोगों का उत्थान तेजी से हो रहा है।

मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजीव तिवारी, सुनील तिवारी, मुन्ना सिन्हा, मनोज गुप्ता, जिला सचिव सन्नू सिद्धकी, कोषाध्यक्ष रमेश सिंह, उपाध्यक्ष बालकिशुन उरांव, राकेश सिन्हा, कमाल खान, जिला संगठन सचिव नवीन सिन्हा, वीरेंद्र पासवान सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

सांस्कृतिक विरासत व परंपरा को संजोकर रखने का लें संकल्प : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह दिवस आदिवासी समुदाय के महत्व एवं संस्कृति को समझने का दिवस है। आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपरा हमारी समृद्ध भारतीय एवं झारखंडी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मरांडी ने कहा कि झारखंड की 32 जनजातियां यहां की विविधता एवं समृद्धि का प्रतीक है। आदिवासी संस्कृति में अनूठी भाषाएं, नृत्य, संगीत, कला और विशेष शैलियां शामिल हैं, जिनका हमारी सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती तकनीकी और आर्थिक प्रगति ने आदिवासी समुदायों के सांस्कृतिक धरोहरों को कुछ हद तक छूने का प्रयास किया है। इसके परिणामस्वरूप उनकी पारंपरिक जीवन शैली ,विशेषताएं और ज्ञान धीरे धीरे लुप्त हो रहे हैं। ऐसे में आदिवासी समुदाय का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय के जीवन शैली एवम जरूरतों को समझ एवं साथ मिलकर संस्कृति और परम्पराओं को संरक्षित रखने का प्रयास करना होगा। यह परंपरा हम सभी को प्रकृति के साथ मिलकर जीने का सबक सिखाती है। साथ ही कहा कि सामूहिक प्रयास के साथ आगे बढ़कर हम आदिवासी समुदाय एवं देश और राज्य को परम वैभव तक पहुंचा सकते हैं।

HC ने राज्य सरकार व RBI को दिया निर्देश CYBER फ्रॉड रोकने के लिए प्रपोजल लाएं

देवघर, जामताड़ा व साहिबगंज में साइबर क्राइम की रोकथाम को लेकर दायर याचिका पर हुई सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड के देवघर, जामताड़ा, साहिबगंज में साइबर क्राइम की घटना की रोकथाम को लेकर मनोज कुमार राय की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में प्रतिवादी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से शपथ पत्र दाखिल किया गया। जिस पर कोर्ट ने राज्य सरकार एवं आरबीआई को निर्देश दिया कि वह एक माह में कोर्ट के समक्ष झारखंड में साइबर फ्रॉड रोकने को लेकर प्रपोजल लेकर आए। इसके बाद को कोर्ट उचित आदेश पारित करेगी।

इससे पहले आरबीआई की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि वह राज्य सरकार को साइबर फ्रॉड रोकने को लेकर दिशा- निर्देश जारी नहीं कर सकती है। आरबीआई का मोबाइल बैंकिंग फ्रॉड से संबंधित नियम, रेगुलेशन एवं दिशा- निर्देश कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मौखिक कहा कि साइबर फ्रॉड की घटनाएं रुक नहीं पा रहे हैं, ऐसे में इसे लेकर एक ठोस कदम उठाने की जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर को होगी।

पूर्व की सुनवाई में प्रार्थी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया गया था कि झारखंड के देवघर, जामताड़ा और साहिबगंज में साइबर अपराधी सक्रिय हैं। इनके द्वारा बड़े पैमाने पर झारखंड से साइबर क्राइम की घटना को अंजाम दिया जाता है। साइबर अपराधी झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में साइबर ठगी की घटना को अंजाम देते हैं। पुलिस का साइबर सेल है लेकिन यह खास एक्टिव नहीं है। ऐसे में साइबर अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है, इन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

NTPC भूमि अधिग्रहण मुआवजा घोटाला : ED ने कहा- प्रारंभिक जांच शुरू, HIGHCOURT ने CBI व राज्य सरकार से मांगा जवाब

RANCHI : हजारीबाग में एनटीपीसी के लिए हुए भूमि अधिग्रहण के दौरान कथित रूप से हुए तीन हजार करोड़ के भूमि-मुआवजा घोटाला की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी मंटू सोनी के अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता और राहुल मिश्रा ने सीबीआई और राज्य सरकार द्वारा जवाब दाखिल नहीं किए जाने की बात कोर्ट के समक्ष रखी। वहीं ईडी की तरफ से अधिवक्ता अमित दास ने कोर्ट को बताया कि ईडी की तरफ से प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने सीबीआई और राज्य सरकार को दो सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई।

2016 में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की गयी थी : हजारीबाग में भूमि-मुआवजा से संबंधित गड़बड़ियों के सामने आने के बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन उपायुक्त मुकेश कुमार की अनुसंशा पर, राज्य सरकार ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की थी। एसआईटी की टीम ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट में 3000 करोड़ के भूमि मुआवजा घोटाले किए जाने और 300 करोड़ मुआवजा बांट दिए जाने की जानकारी दी थी। प्रार्थी के मुताबिक, राज्य सरकार द्वारा कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ एनटीपीसी के प्रबंध निदेशक और हजारीबाग उपायुक्त को पत्राचार किया गया है। वहीं देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता वाली एसआईटी की रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक, रिपोर्ट में कई रसूखदारों द्वारा सरकारी गैर मजरुआ खास-आम भूमि, सार्वजनिक उपयोग की जाने वाली जमीन, श्मशान घाट, स्कूल, मैदान आदि जमीनों का भी फर्जी कागजात बनाकर मुआवजे की बंदरबांट की गयी थी।

अब हाईकोर्ट की शरण में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, डिफॉल्ट बेल देने की लगाई गुहार

RANCHI : लैंड स्कैम के आरोपी आईएएस छवि रंजन अब हाईकोर्ट की शरण में गए हैं। उन्होंने पीएमएलए कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए डिफॉल्ट बेल देने की गुजारिश की है। दरअसल आईएएस छवि रंजन की ओर से निचली अदालत में सीआरपीसी की धारा 167 के तहत याचिका दाखिल की गयी थी। इस याचिका के तहत पुलिस और जांच एजेंसी को चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय तय किया गया है। जिसे निचली अदालत ने खारिज कर दिया। अब वे हाईकोर्ट से न्याय करते हुए डिफॉल्ट बेल का अनुरोध कर रहे हैं।

जमानत याचिका भी स्पेशल कोर्ट से खारिज

मंगलवार को ईडी की स्पेशल कोर्ट ने आर्मी जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद आईएएस अधिकारी छवि रंजन की ओर से दाखिल जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। ईडी की विशेष अदालत के विशेष न्यायधीश दिनेश राय की अदालत में सुनवाई हुई थी। पांच अगस्त को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला रख लिया था। मंगलवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ कोर्ट में छवि रंजन ने याचिका दाखिल करते हुए जमानत की गुजारिश की थी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के वकील ने कहा था कि छवि रंजन मामले में निर्दोष है। उन पर मनी लाउंड्रिंग का केस नहीं बनता है, इसलिए उन्हें जमानत दी जाये। इसका विरोध ईडी के वकील शिव कुमार काका ने किया था। उनकी ओर से कहा गया था कि छवि रंजन फजीर्वाड़ा कर भूमि खरीद-बिक्री मामले के मुख्य सूत्रधार हैं। इन्हें जमानत नहीं देनी चाहिए।

निवेशकों को पैसा देने के लिए सरकार बनाए कमेटी : HC

चिटफंड घोटाला मामला

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में चिटफंड घोटाला मामले में निवेशकों के डूबे पैसा की वापसी को लेकर दायर नन बैंकिंग अभिरक्षा निवेशक सुरक्षा समिति सहित अन्य याचिकाओं की सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि निवेशकों के डूबे पैसे को उन्हें मुहैया कराने के लिए सरकार एक प्रक्रिया अपनाये। इसके तहत ठगे गये निवेशकों को पैसा वितरण के लिए एक कमेटी गठित हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो कोर्ट अपना आदेश पारित करेगी। कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के पैसा वापसी को लेकर आईजी, सीआईडी की अध्यक्षता में छह सदस्यों वाली कमेटी गठित करने के निर्णय को नहीं माना। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को नयी कमेटी के संदर्भ में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त निर्धारित की है। मंगलवार को हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता अशोक कुमार यादव ने पैरवी की।

सीएम का काफिला रोके जाने के मामले में मुख्य आरोपी की याचिका खारिज

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन का काफिला रोके जाने के मामले का मुख्या आरोपी भैरव सिंह की ओर से दायर क्रिमिनल रिवीजन पर सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को हुई। कोर्ट ने भैरव सिंह की याचिका खारिज कर दिया। इससे पहले सुनवाई के दौरान राजकीय अधिवक्ता मनोज कुमार ने भैरव सिंह की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि निचली अदालत का फैसला सही है। भैरव सिंह के खिलाफ कई साक्ष्य मिले हैं जिसके आधार पर निचली अदालत ने उनके डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज किया है। दरअसल, भैरव सिंह की ओर से निचली अदालत द्वारा डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने एवं चार्जफ्रेम किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति

सुभाष चंद्र की कोर्ट में हुई।

बता दें कि चार जनवरी 2021को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज में भैरव सिंह एवं उसके साथी ओरमांझी में सिर कटा शव मिलने के बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान सीएम हेमंत सोरेन सचिवालय से आवास जा रहे थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान उनका काफिला रुक गया। पुलिस ने जब उपद्रवियों को हटाने की कोशिश की तो झड़प हो गई जिसमें तत्कालीन यातायात थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह बुरी तरह घायल हो गए।

इस मामले में भैरव सिंह सहित 74 लोगों के खिलाफ खंड संख्या 5/ 2021 दर्ज करायी गई थी। मामले में 7 जनवरी को भैरव सिंह ने रांची सिविल कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। निचली अदालत से भैरव सिंह की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। 26 जुलाई 2021 में हाई कोर्ट से उन्हें जमानत मिली थी।

अफीम तस्करी मामले में तीन दोषियों 10-10 साल की सजा

RANCHI : अफीम तस्करी मामले में दोषी तीन अभियुक्तों मंगल सिंह मुंडा, अनिल पूर्ति एवं अरुण डांगी को 10- 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ने की राशि अदा नहीं करने पर तीनों को अतिरिक्त नौ महीने जेल भुगतनी होगी। एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा की अदालत ने उक्त आरोपी को सजा सुनाई है। रांची पुलिस ने एक सितंबर 2020 को अभियुक्त मंगल सिंह मुंडा की मारुति सेलेरियो कार की तलाशी लेने पर 7 l5 किलो अफीम बरामद हुई। उसके खुलासे के बाद हजारीबाग से अरुण डांगी को गिरफ्तार किया गया। अफीम को वहीं प्राप्त करनेवाला था। एनडीपीएस टीम ने निशानदेही पर अनिल पूर्ति एवं देवेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। मामले के एक आरोपी देवेंद्र राम को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। मामले में सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक बशिष्ठ नारायण ने पांच गवाही दर्ज कराई थी।

चरस के साथ तीन तस्कर धराए, हथियार बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : पुलिस ने 200 ग्राम चरस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान से इन अपराधियों को पकड़ा गया है। गिरफ्तार तस्करों में रातू रोड इंद्रपुरी रोड नंबर 1 का रहने वाला मदन कुमार उर्फ सोनु, आर्यपुरी का सिंटू जायसवाल और हरमू रोड के गाड़ीखाना निवासी सरताज शाह शामिल हैं। इनके पास से चरस के अलावा दो पिस्टल बरामद हुई है। बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर एसएसपी किशोर कौशल ने यह जानकारी दी। एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली से दो अपराधी ट्रेन से चरस लेकर आ रहे हैं। कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम को सूचना मिली कि तस्कर पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान में हैं। छापामारी दल द्वारा पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान के पास से दो संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। दोनों की तलाशी ली गयी तो उनके पास से प्लास्टिक में बांधा हुआ चरस मिला।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी देते रांची एसएसपी।

पूर्व पार्षद ओम प्रकाश मंडल पर मारपीट और फायरिंग मामले में थे शामिल : पूछताछ के दौरान पकड़े गये दोनों तस्कर ने बताया कि वे चरस लाने के लिए फ्लाइट से जाते हैं। वापसी में राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से आते हैं। इसके बाद रांची के विभिन्न क्षेत्रों में चरस की बिक्री करते है। दोनों तीन माह पूर्व पार्षद ओम प्रकाश मंडल पर मारपीट और फायरिंग के मामले में शामिल थे। कोर्ट में आत्मसर्मपण के बाद दोनों जेल चले गये थे। जून में जमानत पर जेल से बाहर निकले थे। उस घटना में प्रयुक्त पिस्टल अभी भी उनके पास है। पूछताछ के बाद मदन कुमार उर्फ सोनू के घर से एक पिस्टल बरामद हुई। सिंटू जायसवाल के घर से एक जिंदा गोली मिली। अपराधियों ने बताया कि इस घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल सरताज के पास है। पुलिस की टीम ने सरताज के घर पर छापामारी कर उसके घर से एक पिस्टल बरामद किया। सरताज को भी हिरासत में लिया गया। तीनों ने पूछताछ में बताया कि पार्षद ओम प्रकाश मंडल के घर पर फायरिंग के बाद उन्होंने ये हथियार अपने घर में छिपा लिया था।

बुंडू के धान व्यापारी को गोली मारने का आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल व गोलियां बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : बुंडू थाना क्षेत्र के बंजारा बाजार के पास व्यापारी रोशन लाल भगत को गोली मारने के आरोपी जोटो पाहन उर्फ सोमनाथ मुंडू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह खूंटी जिले के बरटोली का रहने वाला है। उसने अपने स्वीकारोक्ति बयान में इस घटना में खुद और अपने सहयोगियों की संलिप्तता स्वीकार की है। अन्य अपराधियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अपराधी के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर बुंडू

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी देती पुलिस।

एसडीपीओ अजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक रोशन लाल भगत धान, लाह और महुआ का व्यापारी हैं। बीते 11 जुलाई की सुबह 8.30 बजे वे अपने घर से बंजारा बाजार स्थित दुकान के लिए 2.50 लाख रुपये लेकर निकले थे। जब वे अपनी दुकान पर बैठे थे, इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया था।

हजारों की संख्या में आदिवासी महिलाएं व पुरुष पैदल मार्च करते हुए पहुंचे अल्बर्ट एक्का चौक

हर्षोल्लास के साथ मनाया विश्व आदिवासी दिवस

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व आदिवासी दिवस पर विभिन्न आदिवासी संगठनों में एकता देखने को मिली। हजारों की संख्या में आदिवासी महिलाओं एवं पुरुषों पैदल मार्च करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे। इस दौरान उनके हाथों में तख्तियां भी देखने को मिली। जिसमें लिखा था कि हमें समान नागरिक संहिता कानून स्वीकार नहीं है। इस मौके पर समन्वय समिति के सदस्य प्रभाकर तिर्की ने कहा कि देश के पीएम और ग्रह मंत्री मणिपुर में हो रही हिंसा को जल्द रोके। अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचने के बाद आदिवासी संगठनों ने झारखंड के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें माल्यार्पण किया। इसके बाद नागपुरी गीतों के साथ विश्व आदिवासी दिवस का आगाज किया। इस दौरान महिलाएं लाल पाड़ साड़ी पहनकर मांदर की थाप पर थिरकती नजर आयीं। वहां मौजूद महिलाएं एवं पुरुष हाथ जोड़ाकर नाच-गान करती दिखीं। वहां मौजूद लोगों में काफी हर्षोल्लास देखने को मिला। विश्व आदिवासी दिवस पर बिरसा मुंडा संग्रहालय में नौ और दस अगस्त को दो दिवसीय भव्य समारोह का आयोजन किया गया है। मौके पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

आदिवासी महोत्सव में पारंपरिक कला संस्कृति की झलक, लगे हैं 22 स्टॉल

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व आदिवासी दिवस पर बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव में बुधवार को आदिवासी कला संस्कृति और परंपरा से जुड़ी वस्तुओं की झलक दिखी। इससे जुड़े 22 से अधिक स्टॉल लगाये गये हैं। जहां भारी संख्या में लोग खरीदारी के साथ स्टॉल के माध्यम से आदिवासी संस्कृति और कला के बारे में जान रहे हैं। इन स्टॉलो में आदिवासी परंपरा से जुड़ी ढेरों वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गयी है। झारक्राफ्ट के स्टॉल में आदिवासी वेशभूषा और पारंपरिक तरीके से बुने कपड़े लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। यहां लोग हैंडमेड पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा और विभिन्न डिजाइन के कपड़े खरीद रहे हैं। इसी तरह स्टॉल में 9 पारंपरिक जनजाति के करीब 100 से ऊपर डिजाइन के कपड़े उपलब्ध हैं। आदिवासी परंपरा से जुड़ी पेंटिंग्स, आदिवासी सेनानियों की मूर्तियां, सूप, दउरा , वाद्ययंत्र जैसी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गयी है। आदिवासी पेंटिंग के स्टॉल पर मौजूद अजादून निशा ने बताया कि यह हमारे लिए एक बढ़िया प्लेटफार्म है। इस तरह के आयोजन में हमें अपनी कला संस्कृति लोगों के सामने प्रस्तुत करने का मौका मिलता है। गांव की महिलाओं द्वारा बनाए गये प्रोडक्ट लोगों के समक्ष रख पाते हैं। इससे उन महिलाओं को उनकी आजीविका को भी सपोर्ट मिलता है।

BRIEF NEWS

परमसुख अपार्टमेंट में दरार निर्माण पर रोक के लिए निगम व थाना में शिकायत

RANCHI : रांची के पहाड़ी मंदिर के पास स्थित परमसुख अपार्टमेंट के लोगों ने जमीन के मालिक के खिलाफ रांची नगर निगम में लिखित शिकायत की है। शिकायत की कॉपी सुखदेवनगर थाना में भी दी गई है। नगर निगम और सुखदेव नगर थाना में दी गई शिकायत में कहा गया है कि अपार्टमेंट के जमीन मालिक परिसर में अवैध निर्माण करवा रहे हैं। आवासीय भवन के वाटर बोरिंग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, सेप्टिक टैंक, जेनरेटर के साथ ही प्रवेश और निकास द्वार के समीप बड़ा गड्ढा खोद दिया गया है। जिससे बारिश के दिनों में इस निर्माण से भवन की सुरक्षा खतरे में आ गई है। पूछने पर बिल्डिंग में रह रहे लोगों को बताया गया है कि इसमें सेप्टिक टैंक का निर्माण किया जाना है। इस निर्माण कार्य से इमारत की कई दीवारों में भी लंबी दरार आ गई है। इसके कारण वहां रहने वाले लोग डरे हुए हैं।

एडवांस लेकर काम नहीं करने का मामला दर्ज

RANCHI : रांची के सदर थाना क्षेत्र में काम कराने के एवज में दो लाख 80 हजार रुपये लेकर काम नहीं करने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में कोकर चूना भट्टा निवासी नवीन सिंह ने गडोदिया बिल्डिंग सिस्टम के संचालक सानु गडोदिया के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। दर्ज एफआईआर के अनुसार नवीन सिंह के निमार्णाधीन मकान में खिड़की लगाने का काम करने की एवज में पैसे लिए गए और काम भी नहीं किया गया। सानु गडोदिया नवीन सिंह के निमार्णाधीन मकान में पहुंचा और कहा कि वह बगल में काम कर रहा है। आपके घर का खिड़की का काम लेने के लिए आए हैं। इस पर नवीन सिंह ने निमार्णाधीन मकान के सभी खिड़की लगाने का काम उन्हें दिया। सभी खिड़की लगाने का रेट पांच लाख 77 हजार 352 रुपये में तय हुआ। एडवांस के रूप में नवीन सिंह ने दो लाख 80 हजार रुपये का चेक उन्हें दिया। पैसे लेने के बाद उन्होंने काम नहीं किया और पैसे मांगने पर धमकी देने लगा। इस संबंध में सदर थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। दोषी के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सहायक अध्यापक मामले को लेकर आज होगी बैठक

RANCHI : राज्य के सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) सहित कई कर्मियों के मामले में गुरुवार को बैठक होगी। इस बाबत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् की राज्य निदेशक किरण कुमारी पासी संबंधित संगठनों को बुलाया है। उन्होंने एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा, झारखंड प्रदेश सहायक अध्यापक संघ, टेट सफल सहायक अध्यापक संघ, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ, बीआरपी-सीआरपी महासंघ को पत्र लिखा है। परियोजना निदेशक ने पत्र में लिखा है कि विभिन्न कर्मी संघों द्वारा बार-बार कल्याण कोष को लागू करने की मांग की जा रही है। राज्य परियोजना कार्यालय लगातार कर्मियों के बेहतर कल्याण कोष की स्थापना एवं बेहतर विकल्प के लिए प्रयासरत है। कल्याण कोष, ईपीएफ एवं बीमा से संबंधित विभिन्न बैंकों के प्रावधान से संबंध में सहायक अध्यापकों के विभिन्न संघों, बीआरपी-सीआरपी महासंघ एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ के दो-दो सदस्यों की बैठक 10 अगस्त को राज्य परियोजना कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

BRIEF NEWS

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में लगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

RAMGARH : श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में आज बुधवार को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर किया गया जिसमे विद्यालय के सभी बच्चों की जांच की जाएगी ये शिविर 19 अगस्त तक चलेगा। इस अवसर पर चिकित्सकों ने छात्र-छात्राओं और उनके माता पिता को बदलते समय और मौसम के अनुसार वायरल और डेंगू बुखार, ऊंचाई, वजन, आंख और दांत की सभी प्रकार की जांच की गई, साथ ही बीमारियों के बारे में जानकारी दी तथा उनको घरेलू उपचार भी बताया। शिविर में डॉ. गौतम कुमार, डॉ. अपूर्वा शर्मा ,सुश्री साइना परवीन, डीओए रिम्स उपस्थिति रही। इन्होंने छात्र-छात्राओं को सुझाव दिए। चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को खानपान में सावधानी बरतने, साफ और धुले कपड़े पहनने आदि के भी सुझाव दिए।

जेएमएम जिला कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

RAMGARH : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कार्यालय रामगढ़ के प्रांगण में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिनोद किस्कू जी एवं संचालन जिला सचिव विनोद कुमार महतो जी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला अध्यक्ष महोदय के कर कमलों से झारखंड आदिवासी नेताओं एवं आंदोलनकारी योद्धाओं के शहिद बेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष भुनेश्वर प्रसाद महतो और भुन्नु बाबू जिला उपाध्यक्ष महेश ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष चित्रगुप्त महतो, संतोष कुमार, दिलीप कुमार शर्मा, रामकिशन गिरी, अरुण बनर्जी, मुखेनद्र महतो, गुलाम नबी, खुदीराम महतो, विमल करमाली, विनय मुन्ना, आशु कुमारी, राजू साव, मिथुन मुंडा, शिव कुमार करमाली, चंदू मुंडा, बबलू यादव, सूरज बेदिया, कमलेश पांडे, सकलदेव करमेल, जावेद आलम, सुशील कुमार, शुसांत भारती, राजनाथ महतो, शिवलाल हसदा, मुमताज अंसारी, अभय यादव, चंद्र मोहन गंझु ,विशाल कुमार, मोहम्मद एनामुल अंसारी, मुरलीधर कोठारी, राजा खान, मो सोएब अंसारी, मो मनोवर आलम, अंकित कुमार इत्यादि सैकड़ों कार्यकर्ता साथी गण शामिल हुए।

रामगढ़ में विश्व आदिवासी दिवस पर याद किये झारखंड के वीर शहीद

RAMGARH : भदानीनगर के कुरसे सरना स्थल में विश्व आदिवासी दिवस पूरे धूमधाम व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान सरना स्थल में विधिवत पूज-अर्चना कर वीर शहीदों को याद किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रदेश महासचिव सह कुरसे पंचायत के मुखिया संदीप उरांव ने भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। मौके पर संदीप उरांव ने कहा कि हमारे पूर्वजों की धरोहर जल, जंगल व जमीन की रक्षा करना हमसबों का दायित्व है। उन्होंने झारखंड के वीर शहीदों को याद करते हुए कहा कि उनके अधूरे सपनों का पूरा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुखिया श्री उरांव ने झारखंड की सभ्यता व संस्कृति को बचाए रखने के लिए आदिवासी समाज को एकजुट रहने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान मणिपुर में आदिवासियों पर हुए बर्बरतापूर्ण घटना की कड़े शब्दों में निंदा की गई। साथ ही पूरे देश में आदिवासियों पर हो अत्याचार व मणिपुर में लड़ाई रोककर शांति बहाल करने की मांग भारत सरकार से की गई। इसके अलावे आदिवासी के नियम-कानून से छेड़ छाड़ बंद कर इसे सख्त करने, आदिवासियों के फंड को खर्च कर आदिवासियों का पूर्ण विकास शिक्षा, रोजगार, जल, जंगल की रक्षा व सरकारी योजनाओ को लाभ आदिवासियों तक पहुंचने की भी मांग की गई। मौके पर प्रदेश महासचिव सह मुखिया संदीप उरांव, उप मुखिया अजय तुरी, ईस्वर पाहन, आनो बेदिया, संतोष यादव, प्रिंस बेदिया, बिना पहनाइन, पार्वती उरांव, फूलो मुंडा, गीता मुंडा, जगदीश मुंडा, सुशीला केर-केट्टा, लखिया देवी, सरो देवी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रामगढ़ में हुआ जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रकृति और आदिवासी एक दूसरे के पूरक, समाज के विकास में युवाओं की भूमिका अहम : DC

PHOTON NEWS RAMGARH : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवार को छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त, रामगढ़ श्री चंदन कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।

इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त चंदन कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त श्री रोबिन टोप्पो सहित अन्य अतिथियों का पौधा व अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया जिसके उपरांत सभी ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उपायुक्त श्री चंदन कुमार ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज हमारे समाज की जड़ की तरह है और किसी भी समाज के

विद्यालय की छात्रा को प्रशस्ति पत्र देते उपायुक्त चंदन कुमार। ● द फोटोन न्यूज

विकास के लिए उसकी जड़ का मजबूत होना बेहद जरूरी है। मौके पर उपायुक्त ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से मानव सभ्यता के विकास में आदिवासी समाज के योगदान की जानकारी दी उपायुक्त ने कहा कि आदिवासी और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हम ध्यान दें तो हम जानेंगे कि आदिवासी समाज के रीति रिवाज, पर्व त्यौहार सहित धार्मिक मान्यताएं भी प्रकृति के संरक्षण से जुड़ी हुई है। विश्व आदिवासी दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य समाज के विकास में आदिवासी समूह के योगदान को समझने व यह आकलन करने की वर्तमान में आदिवासी समूह के लोगों की स्थिति कैसी हैं, कहीं वे किसी परेशानी में तो नहीं है या किस प्रकार से हम उनके जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं यह समझने की है।

आदिवासी दिवस के थीम पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान समय में आदिवासी युवाओं पर यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे आत्मनिर्णय कर किस प्रकार से आदिवासी समाज का विकास सुनिश्चित करेंगे। मौके पर उपायुक्त में कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के बच्चों सहित जिले के सभी आदिवासी समूह के युवाओं से आदिवासी संस्कृति को संरक्षित कर और आगे ले जाने व समाज से विभिन्न कुरीतियां यथा अंधविश्वास, डायन प्रथा, हड़िया सेवन आदि को दूर करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाने की अपील की। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा आदिवासी समूह के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। अगर जिले के किसी भी क्षेत्र में लोगों को लगता है कि सरकार की योजनाएं धरातल पर कार्य नहीं कर पा रही है अथवा कोई अन्य समस्या है तो लोग इसकी जानकारी उपायुक्त कार्यालय आकर सीधे उन तक पहुंचा सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में जरूर कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री नीतीश कुमार ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी से विकास कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी से नुक्कड़ नाटक से प्रेरणा लेने, वृक्षों व पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने तथा गलत आदतों से दूर रहने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मौके पर उन्होंने आदिवासी संस्कृति, जीवन पद्धति तथा देश की स्वतंत्रता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों यथा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्ह, चांद भैरव आदि को स्मरण कर सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, आवासीय विद्यालयों आदि के छात्र छात्राओं, कला दल के कलाकारों ने स्वागत गान, नृत्य, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए वही बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, छात्र छात्राओं व विद्यालयों को उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण जिला कल्याण पदाधिकारी श्री रामेश्वर चौधरी व धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, रामगढ़ श्री कृपाल कच्छप द्वारा किया गया वहीं मंच का संचालन दिलीप कुमार साहा के द्वारा किया

आदिवासी संघर्ष समिति व किसान सभा ने धूमधाम से मनाया विश्व आदिवासी दिवस

PHOTON NEWS RAMGARH : आदिवासी संघर्ष समिति एवं किसान सभा के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। साथ ही वीर शहीदों को याद करते हुए जल, जंगल व जमीन की रक्षा का संकल्प लिया गया। इसके पर मतकमा चैक से पैदल मार्च निकाला गया। जो भुरकुंडा के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए बिरसा चौक पंहुचा। जहां भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का आह्वान किया गया। इसके बाद नुकड़ सभा का आयोजन हुआ।

सभा को संबोधित करते हुए माले नेता सरयू मुंडा ने कहा कि

ढ़ोल-नगाड़ों के साथ कार्यक्रम में मौजूद समिति सदस्य व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

नरेंद्र मोदी के शासन में पूरा देश संक्रमण दौर से गुजर रहा है। रोजगार देने के बजाय रोजगार छिना जा रहा। उन्होंने कहा कि देश में जन विरोधी, वन संरक्षण संशोधन विधेयक 2023 एवं समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून लाकर देश के आदिवासियों की जल, जंगल व जमीन को लूटने का रास्ता कॉरपोरेट घरानो के लिए सुगम बनाने का कार्य किया जा रहा है।

मुंडा ने कहा कि यूसीसी कानून से देश की आदिवासियों का अपनी संस्कृति, सभ्यता, भाषा, आरक्षण, सरना कोड व पहचान को समाप्त कर देश की सरकार आदिवासियों को हिन्दू बनाने की पोरजोर कोशिश कर रही है।

जिसे देश के आदिवासी समुदाय कभी बर्दास्त नहीं करेगी। कार्यक्रम में मनोज मांझी, दसाराम मांझी, सुलेन्द्र मुंडा, राजदेव मुंडा, अजय सोरेन, बबलू मांझी, दीपक बेदिया, गीता देवी, आशा देवी, कंचन मुंडा, ब्रह्मदेव मांझी, सनी मुंडा, विजय मुंडा, रानी देवी, कोमल मांझी, नरेश गंझु, मंगल गंझु, रमेश मुंडा, अजय मुंडा, कृति देवी, चंचल देवी, रूपम देवी, जय मुंडा सहित समाज के दर्जनों लोग मौजूद थे।

अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ ने 33 सूत्री मांगों को लेकर जीएम के साथ की बैठक

PHOTON NEWS RAMGARH : अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ बरका-सयाल क्षेत्रीय कमेटी की 33 सूत्री मांग-पत्र को ले महाप्रबंधक कार्यालय में बुधवार को प्रबंधन के साथ एजेंडा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता बरका-सयाल महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह ने की। बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी उपस्थित थे।

33 सूत्री मांगों में नई परियोजनाओं में विस्थापित स्थानीय बेरोजगारों को काम देने, अक्टूबर माह से सयाल परियोजना में रोड सेल चालू करने, आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल में कंप्यूटराइज एक्स रे मशीन लगाने, कटेगरी-1 के मजदूरों को इस बजट में प्रमोशन व रेगुलराइजेशन करने, दोमुहानी दामोदर शानदार घाट पर विद्युत शव दाहगृह बनाने, सभी पानी टंकी का सफाई करने, बरका-सयाल क्षेत्र के सभी परियोजनाओं में सर्विस तार को बदलने, सेवानिवृत कर्मी का बकाया पेमेंट का भुगतान 13 दिनों में करने, क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष गार्डों की व्यवस्था करने सहित अन्य मांगों पर जीएम के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

मौके पर महाप्रबंधक अजय सिंह ने सभी मुद्दों पर कहा कि जल्द से जल्द सभी मांगों पर सकारात्मक पहल की जायेगी। वहीं यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष रोशन लाल चैधरी ने कहा कि मांगों पर तत्काल पहल नहीं की जायेगी तो आंदोलन रूख अख्तियार किया जायेगा। जिसकी सारी जवाबदेही प्रबंधन की होगी। वार्मा में प्रबंधन की ओर से जीएम अजय कुमार सिंह, डॉ. एचके सिंह, एसओपी अजय कुमार, एसओसी बरका-सयाल, पीओ भुरकुंडा मनोज पाठक, विवेक कुमार, वंदना लाल, अमरेंद्र कुमार व बिरसा व उरीमारी के पीओ मौजूद थें। वहीं यूनियन की ओर से केंद्रीय सचिव संजय मिश्रा, इंद्रदेव राम, गुरुदयाल ठाकुर, विकास सिन्हा, शिवनंदन दास, विनोद कुमार, धर्मेंद्र मिश्रा, अजीत सिन्हा, शैलेंद्र सिंह, मोनू ओझा, कमलेश कुमार, शंकर कुमार, रणधीर साहू, रंजन दास, जितेंद्र कुमार, दिनकर सिन्हा, सनी कुमार, कमल सिंह, सुरेश दुसाध आदि मौजूद थे।

पीवीयूएन लिमिटेड की सामुदायिक विकास पहल ने दिव्यांग को दिया नया जीवन

उपहार मिलने पर दिव्यांग ने कंपनी के प्रति जताया आभार

PHOTON NEWS RAMGARH : पीवीयूएन लिमिटेड के सीएसआर/आरएंडआर समूह अपने सामाजिक दायित्वों को ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए जरूरतमंदों के सहयोग के लिए हमेशा आगे रहती है। इसी क्रम में सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में पीवीयूएन लिमिटेड के सीएसआर/आरएंडआर समूह ने स्वर्णरेखा महिला समिति के साथ बुधवार को मनोज महादानी को कृत्रिम अंग के रूप में जीवन बदलने वाला उपहार प्रदान किया है। कहा गया कि यह कार्यक्रम परियोजना लक्ष्य क्षेत्र के अंदर दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए पीवीयूएन लिमिटेड के अटूट समर्पण को प्रदर्शित करता है।

स्वर्णरेखा महिला समिति के सदस्यों के साथ पीवीयूएन के कर्मचारी मनोज महादानी के आवास पहुंचे व उन्हें प्रोत्साहित किया। महादानी ने कृत्रिम पैर के उपयोग और रखरखाव में सावधानीपूर्वक प्रशिक्षण लिया। जो नए अंग को अपने दैनिक जीवन में निर्बाध रूप से एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का एक मुख्य उद्देश्य मनोज महादानी को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित कर स्वावलंबी बनाना भी है।

मौके पर मनोज महादानी ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस उदार कार्य ने मुझे उद्देश्य और आशा की एक नई भावना प्रदान की है। पीवीयूएन लिमिटेड की सामुदायिक विकास पहलों ने लगातार परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। उन्होंने कहा कि हाशिए पर मौजूद समुदायों के उत्थान के लिए संगठन का अटूट समर्पण एक ऐसे भविष्य के लिए आशा की किरण के रूप में कार्य करता है जहां कोई भी पीछे नहीं रहेगा।

बड़काकाना स्टेशन को बेहतर बनाने के लिए की गयी पहल, बुद्धिजीवी मंच से हुआ विचार-विमर्श

PHOTON NEWS RAMGARH : बुद्धिजीवी मंच, कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक सचिव प्रो शाहनवाज खान के आवास सी आई सी बस्ती बरकाकाना में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रदीप करमाली ने की और संचालन प्रो. शाहनवाज खान ने किया। बरकाकाना जंक्शन परिसर को बेहतर बनाने के लिए रेल प्रशासन द्वारा बुद्धिजीवियों से मांगे गए सुझाव के लिए बुद्धिजीवी मंच, कोर कमेटी द्वारा सुझाव की एक सूची तैयार की गई जिसे मंच के प्रतिनिधिमंडल द्वारा रेल अधिकारी सहायक कार्यपालक अभियंता को सौंपा जाएगा।

बैठक में मंच के पदाधिकारियों ने

बैठक में शामिल बुद्धिजीवी मंच से जुड़े लोग। ● द फोटोन न्यूज

कहा कि बरकाकाना जंक्शन परिसर को बेहतर बनाने के साथ रेल यात्रियों, कर्मचारियों और क्षेत्र की जनता की आवश्यक सुविधाएं दीं जाए। बरकाकाना जंकशन परिसर में रिटायरिंग रूम आदि सुविधा के साथ जंक्शन और मैन रोड के मध्य एक मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण करवाया जाए जहां टिकट रिजर्वेशन काउंटर, सुलभ शौचालय, बैंक शाखा, एटीएम, डाक घर, सस्ते दर का रेलवे कैंटीन के साथ आवश्यक उपभोग की सभी वस्तुओं एवं सेवाओं की दुकानें स्थापित की जाए। साथ ही खाली पड़ी रेल भूमि में सड़क कहीं सब्जी मंडी के लिए भूमि आवंटित की जाए। उसके अलावा आधुनिक खेल स्टेडियम एवं उद्यान निर्माण करवाने ओर रेलवे अस्पताल को आवश्यक सुविधाओं के साथ सुचारू रूप से चलाने जैसे सुझाव शामिल किए गए हैं।

बैठक में अध्यक्ष प्रदीप करमाली, कार्यकारी अध्यक्ष उमेश महतो, सचिव प्रो शाहनवाज खान, प्रवक्ता सुशील कुमार, कोषाध्यक्ष मो. सलीम, उपकोषाध्यक्ष देवकी बेदिया, उपाध्यक्ष सोनी महतो, सह सचिव मदन दांगी और उपस्थित थे।

ओपन एंडेड ब्रेन सर्जरी के क्षेत्र में अस्पताल की बड़ी उपलब्धि

केएस गंगा हॉस्पिटल में ब्रेन की सर्जरी का किया सफल ऑपरेशन

PHOTON NEWS KHUNTI : केएस गंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने एक महीने के भीतर दो मामलों का ऑपरेशन करके ओपन एंडेड ब्रेन सर्जरी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल ने पांच घंटे से अधिक समय की ओपन एंडेड ब्रेन सर्जरी करके चिकित्सा विज्ञान में सराहनीय योगदान है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार पश्चिम बंगाल के पुरुलिया की रहने वाली जनता महतो बाइक से गिरकर बेहोश हो गई थी। वह पूरी तरह से सेंसलेस सिचुएशन में थी। इसी स्थिति में उन्हें केएस गंगा अस्पताल लाया गया जहां जांच के बाद बताया गया कि मस्तिष्क के अंदरूनी हिस्से में ब्रेन क्लॉट हो गया है, इसलिए उन्हें बचाने के लिए ओपन एंडेड सर्जरी की जाएगी। ऑपिरशन सात अगस्त को हुआ और इसे संचालित करने में पांच घंटे से अधिक समय लगा। ऑपरिशन के दौरान हर डॉक्टरों की पूरी टीम सतर्क थी। डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन

ब्रेन की सर्जरी करते डॉक्टर। ● द फोटोन न्यूज

कर ब्लड क्लॉट को हटा दिया।

दूसरी बार किया गया ब्रेन का सफल ऑपरेशन : केएस गंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में दूसरी बार ओपन एंडेड ब्रेन सर्जरी का सफल ऑपरेशन किया गया, जिसने खूंटी जिले और केएस गंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के लिए उल्लेखनीय इतिहास रचा है। पहली बार ओपन ब्रेन एंड सर्जरी एक माह के अंदर दो बार सफलतापूर्वक की गई।

न्यूरोसर्जन डॉ. अंजीव नयन का बड़ा योगदान : न्यूरोसर्जन डॉ. अंजीव नयन व उनकी टीम की ओर से निरंतर कड़ी मेहनत और समर्पण के बदौलत यह उपलब्धि हासिल की है। इस सफलतम आपरेशन में डॉक्टरों, नर्सों और सहायक कर्मचारियों का पैनल शामिल रहा। टीम में रमीज रजा, सुनीता, फुलमनी स्वांसी, पॉलिना होरो, पवन कुमार, छाया, आशीष कुमार, अनुज कुमार, अमित कुमार,

डॉ. अंजीव नयन (न्यूरोसर्जन)।

सौरव सहित अन्य शामिल थे।

ओपन-एंडेड ब्रेन सर्जरी में मुकाम : ओपन-एंडेड ब्रेन सर्जरी जिसे एक्सप्लोरेटरी ब्रेन सर्जरी के रूप में भी जाना जाता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जहां डॉक्टरों का एक पैनल पूर्व निर्धारित सर्जिकल योजना के बिना मस्तिष्क पर सर्जरी करता है। इस प्रकार की सर्जरी आम तौर पर तब की जाती है जब किसी मरीज के लक्षण या स्थिति का अंतर्निहित कारण स्पष्ट नहीं होता है और सर्जिकल टीम को निदान करने या उपचार प्रदान करने के लिए मस्तिष्क का पता लगाने की आवश्यकता होती है।

ऐसे मामलों में, न्यूरोसर्जन, न्यूरोलॉजिस्ट और अन्य विशेषज्ञों सहित विशेषज्ञों का एक पैनल मिलकर सर्जरी करता है। वे मस्तिष्क की संरचनाओं की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं। असामान्यताओं की खोज करते हैं, यदि आवश्यक हो तो बायोप्सी लेते हैं, और किसी भी समस्या की पहचान करने और उसका समाधान करने का प्रयास करते हैं जो रोगी के लक्षणों का कारण हो सकता है।

इलाज के क्षेत्र में पहले भी बड़ी उपलब्धि : इससे पहले भी केएस गंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, खूंटी में डॉ. अंजीव नयन और उनकी टीम के मार्गदर्शन और देखरेख में पित्ताशय, हर्निया, टोटल हिप ट्रांसप्लांट, पैर, हाथ की हड्डी की सर्जरी, किडनी पाइप स्टोन सर्जरी आदि जैसी सर्जरी में सफल ऑपरेशन कर चुका है।

कांके के सुकुरहुटू गांव में बड़े ही धूमधाम से विश्व आदिवासी दिवस

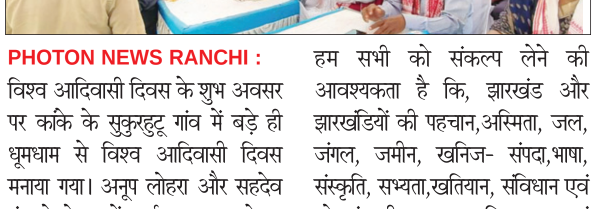

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर कांके के सुकुरहुटू गांव में बड़े ही धूमधाम से विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। अनूप लोहरा और सहदेव मुंडा के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड के शहीदों के तस्वीरों पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ो आदिवासी समाज के लोग आदिवासी पारंपारिक वेशभूषा और ढोल नगाड़ों के थाप पर झारखंडी लोकगीत एवं नृत्य करते हुवे पहुँचे थे। अतिथि के रूप में पहुँचे लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुवे कहा कि, हमारे पूर्वजों, अमर वीर क्रांतिकारी व बलिदानी महापुरुषों को याद करते हुवे हम सभी को संकल्प लेने की आवश्यकता है कि, झारखंड और झारखंडियों की पहचान,अस्मिता, जल, जंगल, जमीन, खनिज- संपदा,भाषा, संस्कृति, सभ्यता,खतियान, संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा व सामाजिक न्याय एवं राजनीतिक भागीदारी के निहितार्थ झारखंड के नवनिर्माण के लिए फिर एक उलगुलान की आवश्यकता है। आदिवासी मूलवासी को एक होकर झारखंड को लूटने और बर्बाद होने से बचाने की आवश्यकता है। वही मौके पर मौजूद कांके प्रखंड के उप प्रमुख अंजय बैठा ने भी विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुवे कहा कि, हर समाज की अपनी अपनी संस्कृति सभ्यता होती है और उसे हम सभी को बचाने की जरूरत है। हिंदुस्तान की खूबसूरती ही है कि इस देश मे हर जाति, समाज के लोग रहते है।

BRIEF NEWS

राउरकेला सरकारी अस्पताल में रोगी प्रतीक्षालय का मंत्री ने किया उद्घाटन

ROURKELA : राउरकेला सरकारी अस्पताल के प्रवेश द्वार पर नवनिर्मित रोगी प्रतीक्षालय का उद्घाटन बुधवार को किया गया। श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने इसका उद्घाटन किया। प्रतीक्षा स्थल का निर्माण एनएसपीसीएल द्वारा किया गया है। उद्घाटन समारोह में सरकारी अस्पताल के निदेशक सन्तोष कुमार स्वाई और एनएसपीसीएल के कौशल किशोर उपस्थित थे। इस दौरान मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने कहा कि राउकेला के आसपास इलाको एवं झारखंड से आनेवाले मरीज और उनके परिजनों के लिए इस विश्राम शेड के निर्माण से सुविधा होगी। वहीं कार्यक्रम के बाद मंत्री ने अस्पताल में मरीजों और उनके परिवार वालो से मिलकर और हाल चाल पूछा।

गोल्डन आवर में जीवन बचाने वाले युवाओं को मिला पुरस्कार

ODISHA : दुर्घटनाएं अक्सर लापरवाही के कारण होती हैं। इसमें जन और धन की हानि होती है। कई बार दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को सही समय इलाज नही मिलने पर उसकी मौत हो जाती है। अगर सही समय पर घायल अस्पताल पहुंचे तो उसकी जान बचाई जा सकती है। हादसे के बाद घायल व्यक्ति को जल्द से जल्द अस्पताल (गोल्डन ऑवर) पहुंचाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता को ओड़िशा सरकार पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस को किसी भी तरह के परेशान या हतोत्साहित नहीं करने का निर्देश दिया गया है। बीरमित्रपुर के मोहम्मद आजम आलम समेत 10 अन्य लोगों को पुरस्कृत किया गया। सुंदरगढ़ एसपी ने युवाओं को पुरस्कार राशि सौपी। पुरस्कार पाने वालों में राम कृष्ण घोष,किशोर कुमार राना,गोपाल रक्षा, नवीन अग्रवाल, अरुण गोयल,एमडी सरफराज,राजेश हांसदा,आकाश शेखर देव,श्रीनिवास सत्पथी , रेवती शामिल है।

कांग्रेस भवन में मनाया गया युवा कांग्रेस का स्थापना दिवस

CHAIBASA : कांग्रेस भवन में बुधवार को युवा कांग्रेस का 63वें स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर कांग्रेस भवन में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा और कांग्रेस जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर दास ने युवा कांग्रेस का झंडा फहराया। इसके बाद युवा कांग्रेस के शपथ-पत्र का शपथ ग्रहण किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने कहा युवा कांग्रेस की स्थापना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी ने सामाजिक कार्य करने और दक्षिण पंथी दलों के खिलाफ मोर्चा खोलने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी के एक फ्रंटल संगठन के रूप में स्थापित करके युवा कांग्रेस को एक नया आयाम दिया। आज स्वस्थ लोकतंत्र के लिए राजनीति में युवाओं का सशक्तिकरण और भागीदारी काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि युवा ही नई सोच और नई ऊर्जा के साथ देश का विकास कर सकते हैं। इस मौके पर युवा कांग्रेस लीगल सेल जिला संयोजक मिली बिरूवा, देविश लागुरी, चन्द्रशेखर गागराई, अमन महतो, रूपेश पुरती, लक्ष्मण हांसदा, त्रिशानु राय, रंजीत यादव, विश्वनाथ तामसोय, राकेश सिंह, दिकु संवैया, अध्यक्ष बालेश्वर हेंब्रोम, मोहन हेंब्रोम, सन्नी रॉबर्ट अंथोनी, बिट्टू मदेशिया, कैरा बिरूवा, हरिश बोदरा, जानवी कुदादा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

MORNING WALK कर रहे व्यक्ति को भारी वाहन ने रौंदा, विरोध में 5 घंटे रोड जाम

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा के रेलवे ऑवरब्रिज के ऊपर बुधवार तड़के करीब 4 बजे के आस-पास मालवाहक ट्रक के चपेट में आने से 46 वर्षीय खपरसाई निवासी विजय देवगम की घटना स्थल में ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जाता है कि विजय देवगम प्रतिदिन मॉर्निंग वॉक करते हुए बस स्टेण्ड में दूध लाने जाया करता था।

इसी दौरान बुधवार को वह माल वाहक ट्रक की चपेट में आ गया, जहां उसके ऊपर कई ट्रक लगातार चढ़ते गए। जिससे उसके शरीर पूरी तरह से क्षत विक्षप्त हो गया। जानकारी मिलने के बाद घटना स्थल में पुलिस पहुंची। जहां बेलचा के सहारे विजय देवगम के अंगों को उठाकर सदर अस्पताल लाया गया। परिजनों को पुलिस के घटना के संबंध में जानकारी दीं गई। जिसके उपरांत पोस्टमार्टम कर विजय देवगम के शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। गुस्साए परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर खपरसाई स्थित मुख्य सड़क में शव को रखकर चाईबासा-बाईपास रोड को जाम कर दिया। जिससे खपरसाई में वाहनों की लंबी कतार लग गई।

इस मौके पर अंचल अधिकारी के साथ दोनों थानों के पुलिस भी घटना में पहुंची। जहां तत्काल 30,000 रु एवं उचित मुआवजा के लिखित आश्वासन की मांग परिजन डटे रहे। अंत में प्रशासन ने 10 हजार रूपए देकर परिजनों को समझा-बुझाकर सड़क जाम को खाली कराया। इस दौरान करीब 5 घंटे तक सड़क जाम रहा।

लाश के साथ सड़क जाम कर बैठे ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

आरएसपी के इस्पात जनरल अस्पताल में सर्पदंश के उपचार से कई की जान बची

ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र के इस्पात जनरल अस्पताल में सर्पदंश के 20 से अधिक मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया। कैजुवालिटी वार्ड और बाल रोग, औषधि? आदि जैसे अन्य सभी विभागों की त्वरित कार्रवाई से जहरीले सांपों के डंसने से होने वाली समय से पहले मौत को रोकने में मदद मिली है। गहन चिकित्सा इकाई में आठ गंभीर मामलों का इलाज किया गया।

आदिवासी दिवस पर बिसरा रोड से उदित नगर परेड ग्राउंड तक निकली रैली

PHOTON NEWS ROURKELA : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राउरकेला में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हुआ। विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से एक विशाल शोभायात्रा निकाला गई। जुलूस में भारी संख्या में आदिवासी महिला, पुरुष, युवती,युवक शामिल हुए। आदिवासी युवा बिसरा रोड से रैली निकालकर रिंगरोड होते हुए पूरा शहर घूमते हुए उदितनगर परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। वहां एक सभा आयोजित हुई। आदिवासियों ने अपने सांस्कृतिक नृत्य कला का भी प्रदर्शन किया। अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए एकजुट हो कर संघर्ष करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सुंदरगढ़ जिले के सैकड़ो आदिवासियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

रैली में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

डेली मार्केट स्थित मुन्ना साहू के प्लास्टिक कैरी बैग गोदाम से चोरी

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर के प्लांट साइट थाना क्षेत्र के डेली मार्केट में बुधवार 2 बजे मुन्ना साहू के गोदाम से कैरी बैग के 2 बोरा बदमाशों ने चोरी कर लिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। डेली मार्केट दुर्गा मंडप निकट मुन्ना साहू के एक प्लास्टिक दुकान कई वर्षों से चला रहे हैं। चोरों ने ताला की डुप्लीकेट चाबी बनाकर चोरी को अंजाम देते थे। मुन्ना साहू के कहना है इससे पहले भी बहुत बार गोदाम से माल निकाला गया है। लगभग दो से तीन लाख के सामान चोरी की आशंका जताई है।

इस मामले में प्लांट साइट थाना में लिखित अभियोग दिया गया। प्लांट साइट थाना के दो अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर देख रहे हैं। इस चोरी के पीछे स्थानीय दो युवक को संदेह के घेरे में लिया जा रहा है। इसमें से एक युवक पहले मुन्ना साहू के बड़े भाई मुरारी साहू का प्लास्टिक दुकान में काम किया करता था। घटना के बाद से दोनों युवक फरार बताए जा रहे है।

चोरी की जांच करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

मजदूर विरोधी नीति के खिलाफ संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच का विरोध प्रदर्शन आज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला मजदूर सभा के कार्यालय में बुधवार शाम संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच की बैठक हुई। इस बैठक में राउरकेला मजदूर सभा, राउरकेला मजदूर संघ, सीटू, एआईटीयूसी, शियर , आईएल राउरकेला केंद्रीय श्रमिक संघों के कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में तय हुआ कि गुरूवार सुबह स्थानीय बिसरा चौक में देर घंटे का सामूहिक विरोध प्रदर्शन करने की रणनीति बनी।

गौरतलब है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की राष्ट्रविरोधी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय श्रमिक संघों द्वारा कई आंदोलनात्मक प्रदर्शन हुआ है। मजदूर सभा के महासचिव अक्षय कुमार नायक, राउरकेला लेबर यूनियन के निहार दास, सीटू के बसंत नायक, विमान माईती, राजकिशोर प्रधान, रत्नाकर नायक, आईटीयूसी के प्रदोष मोहंती, शादानंद साहू, आरडब्ल्यू के अजित नायक उपस्थित थे। इस बैठक की अध्यक्षता मजदूर सभा के अध्यक्ष शशिधर नायक ने की। वहीं हेमन्त बेहुरिया, मजदूर सभा के कलाकार साहू, सिद्धेश्वर बाला, प्रमोद कुमार दास, सत्यानंद बेहरा, सोमनाथ , विजय कुमार राउत ने चर्चा में भाग लिया। प्रफुल्ल कुमार बेहरा, अमर मोहंती, रंजीत सामल, विजय जेना, सखिन मुना, आरके बेहरा ने भाग लिया और बैठक में योगदान दिया।

बैठक करते ट्रेड यूनियन मंच के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

इस्पात इंग्लिश माध्यम स्कूल में कला समीक्षा कार्यशाला आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के सेक्टर-20 स्थित इस्पात इंग्लिश मीडियम स्कूल में संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित कला समीक्षा कार्यशाला आयोजित हुई। कला क्षेत्र के दिग्गज हस्ती कुमकुम महंती, मनमत शत्पथी, सुबोध पटनायक और योगेश पांडे उपस्थित थे।

कार्यशाला का आयोजन भारत की आजादी के 75वें साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आरएसपी के सहयोग से संगीत नाटक अकादमी द्वारा राउरकेला में आयोजित किए जा रहे ह्य'अमृत युवा कलोत्सवह्न के तहत किया गया था। आयोजन ने युवा दिल-दिमाग को कला आलोचना की दुनिया को गहराई से देखने समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया, जिससे उन्हें अपनी रचनाओं को समझदार नजरिये से देखने और कलात्मक बारीकियों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आईईएमएस की प्रिंसिपल, डॉ. सुश्रीता दास ने कार्यशाला का संचालन किया। इसमे स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में उपस्थित स्कूल के शिक्षक। ● फोटोन न्यूज

महिला कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. ललिता सुंडी का शोध पत्र को पुस्तक के रूप में प्रकाशित

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में सीएम के हाथों हुआ लोकार्पण

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिले की उभरती इतिहासकार महिला कॉलेज चाईबासा के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो डॉ. ललिता सुंडी के शोध सिंहभूम का इतिहास : प्राचीन काल से पूर्व औपनिवेशिक काल तक का डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के द्वारा पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया। जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों आदिवासी दिवस पर किया गया।

ज्ञात हो कि वर्ष 2019-20 में जनजातीय कल्याण शोध संस्थान ने शोध परियोजना कार्य प्रस्तुत करने के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया था। इसमें देशभर के शोधार्थियों के साथ डॉ. ललिता ने भी सिंहभूम के इतिहास पर शोध परियोजना तैयार कर शोध संस्थान में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत साक्षात्कार दी। शोध संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न स्तर पर शोधार्थियों का शोध परियोजना का जांच किया गया।

चूंकि डॉ. ललिता सुंडी ने सिंहभूम की गौरवशाली इतिहास का काफी बारीकी से अध्ययन कर शोध परियोजना तैयार की है। इसलिए विशेषज्ञों के अंतिम समीक्षा के बाद इनके शोध को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया।

डॉ. ललिता सुंडी के शोध का पुस्तक के रूप में प्रकाशित होने और मुख्यमंत्री के हाथों इनका लोकार्पण किए जाने पर सिंहभूम के शिक्षा जगत में खुशी की लहर है। शिक्षा प्रेमियों प्रोफेसर दिलदार पुरती, कृष्णा देवगम, रांधो देवगम, रामसिंह चातर, शालिनी पूर्ति, सिकंदर बुड़ीउली, दामु सुंडी, विमल किशोर बोयपाई, अनिला सुंडी, महीप किशोर पिंगुवा, क्रियाम बिरुली, शेखर तामसोय, संजय कुमार जारिका और मतकमहातु पंचायत मुखिया जुलियाना देवगम ने हर्ष व्यक्त किया है।

की फाईल फोटो।

अनुसूचित जाति व जनजाति में अन्य वर्गों की तुलना में वयस्क मृत्यु दर अधिक : धाकड

केयू के पीजी भूगोल विभाग में सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक असमानता पर सेमिनार का आयोजन

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग में वयस्क मृत्यु दर सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक असमानता पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ. जयंत शेखर एवं मुख्य वक्ता के रूप में वियना विश्वविद्यालय आस्ट्रीया के डॉ. मारध्वज धाकड़ उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति में अन्य वर्गों के तुलना में वयस्क मृत्यु दर अधिक है। पढे लिखे लोगों के तुलना में निरक्षर लोगों में मृत्यु दर ज्यादा है। और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों में भी मृत्यु पर ज्यादा पाया जाता है।

डॉ. धाकड़ ने जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक कल्याणकारी योजना के ऊपर बल दिया। वहीं मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. जयंत शेखर ने अपने संबोधन में बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। विभागाध्यक्ष डॉ. परशुराम सियाल ने विकासशील देशों में वयस्क मृत्यु दर पर प्रकाश डाला और ग्रामीण भारत में वयस्क मृत्यु को लेकर जागरुकता बढ़ाने की बात कही। भूगोल विभाग की सहायक अध्यापक डॉ. सुनीता कुमारी ने ग्रामीण भारत असंक्रामक बीमारियों जैसे हृदयरोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप आदि बीमारियों के लिए जागरूकता फैलने की बात कही।

उन्होंने ने कहा कि विद्यालय में बच्चों को पाठ्यपुस्तक के द्वारा यह जानकारी दी जाए। भूगोल विभाग के सहायक अध्यापक कंचन कच्छप ने कहा कि शिक्षा से स्वास्थ्य सुधारा जा सकता और जागरुकता फैलायी जानी चाहिए।

इस अवसर पर विज्ञान संकाय की डीन डॉ. सरित प्रसाद, आईक्यूएसी के संयोजक संजय गोराई समेत बंग्ला विभागाध्यम डॉ. तपन कुमार, अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष सुहिता चटर्जी, दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष दीपांजय श्रीवास्तव, इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय, विश्वविद्यालय के खेलकूद पदाधिकारी डॉ. मन्मथ नारायण सिंह समेत विभिन्न विभागों के विद्यार्थी शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

ST. XAVIOUR BOY'S स्कूल में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासी प्रकृति के सबसे करीब, हमें उनसे सीखने की आवश्यकता : फादर कामिल

PHOTON NEWS CHAIBASA : संत जेवियर्स बालक विद्यालय बुधवार को अन्तराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि के तौर विद्यालय के पूर्व सचिव फादर कामिला हेम्बोम उपस्थित हुए। उन्होंने अपने संदेश में कहा हमें अपने अधिकार को जानना एवं संस्कृति को बनाए रखना व समाज को संरक्षण प्रदान करना है। फादर कामिल ने कहा प्रकृति के सबसे करीब आदिवासी हैं। हमें उनसे सीखने की आवश्यकता है।

प्रकृति का संरक्षण जंगल, जल, जमीन से ही हमारा अस्तित्व कायम रह सकता। हमें मिलजुल कर एकता स्थापित करना और समाज को बढ़ाना है। सही ज्ञान, सही संस्कार के बदौलत हम आगे बढ़ सकते हैं। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक फादर यूजिन एक्का ने कहा शिक्षा ही हमारा हथियार है। जिससे हम परिवर्तन ला सकते हैं। वहीं गंगामोली ने आदिवासी दिवस के महत्व, उद्देश्य के बारे बताया। मंच का संचालन केदार कुमार प्रधान ने किया।

इस अवसर विद्यालय में हो, संथाल, मुंडा, उरंव एवं अन्य जनजातियों के नृत्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही प्रतियोगिता कराए गए। इस अवसर पर पारंपरिक वेश, भूषा, रीति रिवाज की प्रस्तुति एवं कला, संग्रह की प्रदर्शनी लगाया गया। मौके पर फ्रांसिस टोपनो, शेखर मिंज, फादर आगस्टीन कुल्लू, फादर जोन, फादर अनिल, अनिल कुजूर, अरनोल्ड, सिस्टर बलमदीना समेत अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सिस्टर कोरनेलिया ने दिया।

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग ● फोटोन न्यूज

डॉक्टर नीना गुप्ता को पुणे में मिलेगा भारतीय नारी रत्न पुरस्कार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर के जाने-माने आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. नीना गुप्ता को पुणे में भारतीय नारी रत्न पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 27 अगस्त को ग्लोबल स्कालर फाउंडेशन द्वारा दिया जाएगा। मालूम हो कि इस पुरस्कार के लिए देशभर से बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं को चयनित किया जाता है। झारखंड से डॉ. नीना गुप्ता को चयनित किया गया है।

डॉ. नीना गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने आनलाइन आवेदन किया था। इसके बाद ग्लोबल स्कालर फाउंडेशन के द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान से संबंधित कई सारी जानकारी मांगी गई थी। डॉ. नीना गुप्ता ने बताया कि वे 32 वर्ष के अनुभव के साथ चिकित्सीय परामर्श एवं पंचकर्म के साथ समाज को स्वस्थ एवं तनाव मुक्त रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित करती है।

इसमें जागरूकता कार्यक्रम से लेकर सेमिनार व स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से जनता को स्वस्थ कर रही है। इसे लेकर डॉ. नीना गुप्ता को हाल में कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है। डॉ. नीना गुप्ता अखिल भारतीय आयुर्वेद परिषद, विश्व आयुर्वेद परिषद और नेशनल अकादमी पंचकर्मा एंड रिसर्च आदि कई संस्थाओं की आजीवन सदस्य है। वर्तमान में डॉ. नीना गुप्ता को राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय नारी रत्न अवार्ड के लिए चयनित किया गया है, जो पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है।

संसद से अपेक्षा

मंगलवार को मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस की शुरूआत करते हुए कांग्रेस सांसद तरुण गोगोई ने जो कुछ कहा, उसके राजनीतिक निहितार्थ जो भी हों, पूर्वोत्तर के लिहाज से इस पूरी बहस की अहमियत काफी है। तरुण खुद मणिपुर से सटे प्रदेश असम से चुनकर आते हैं। ऐसे में, विपक्ष ने उचित ही उन्हें इस अविश्वास प्रस्ताव का मुख्य प्रस्तावक बनाया। पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से मणिपुर के हालात संभल नहीं रहे। कुछ-कुछ अंतराल पर वहां हिंसा भड़क उठ रही है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है, ऐसे में सरकार से राजनीतिक जवाबदेही की विपक्ष की मांग उसका सांविधानिक दायित्व भी है और अधिकार भी, आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एक मुफीद दांव तो खैर है ही। लेकिन जब मणिपुर की मौजूदा स्थिति की बात हो रही है, तब वक्ताओं को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि वे कुछ भी ऐसा न कहें, न बोलें, जो पीड़ित प्रदेश के किसी भी पक्ष के जख्मों को कुरेदने वाला हो। यह विडंबना ही है कि जिस पूर्वोत्तर को विशेष महत्व देने के लिए एनडीए-2 सरकार का गुणगान हो रहा था, उसके एक सूबे के हालात ही उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की वजह बने। ऐसी बहसों में विपक्ष के वक्ता जहां सरकार की खामियां गिनाते हैं, तो वहीं सत्ता पक्ष के सांसद-मंत्री तर्कों के साथ उसकी काट पेश करते हैं। मगर हमारे सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार की जगह जिस तरह कटुता हावी होती जा रही है, उसका असर अब संसदीय बहसों में भी दिखता है। आप शुरूआती लोकसभा की बहसों को और पिछले दो-तीन दशकों की संसदीय बहसों का स्तर देखिए, फर्क नजर आ जाएगा। हमारी संसदीय बहसों में अब समाधान वाले सुझावों की जगह जुमले उछालने की प्रवृत्ति ज्यादा हावी हो चली है। इससे स्रोताओं-दर्शकों में चाहे जितनी वाहवाही मिले, सदनों में विधायी गतिशीलता नहीं आ पाती। यही कारण है कि अब सरकारें बिना बहस कराए अहम विधेयक भी पारित कराने में कामयाब होने लगी हैं। संसदीय लोकतंत्र में अंकगणित सबसे अहम होता है। यह बात सभी जानते हैं कि लोकसभा में सरकार के पक्ष में भारी संख्या बल है। विपक्ष इसके बावजूद अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है, तो वह भी इसके नतीजे से वाकिफ होगा ही। नियमों-परंपराओं के अनुरूप स्वाभाविक ही सत्ता पक्ष को बहस के लिए अधिक वक्त मिला है और विपक्ष को कम। अब विपक्षी वक्ताओं का कौशल इसमें है कि वे जिस मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके प्रति व्यापक संवेदनशीलता पैदा कर सकें और सत्ता पक्ष की कामयाबी इसमें है कि वह मणिपुर के लोगों समते पूरे देश को मुत्मईन कर सके कि हर जख्म पर मरहम रखा जाएगा और पूरा देश अपने मणिपुरी भाई-बहनों के साथ है। देश की संसद से समवेत स्वर तमाम सरहदी सूबों के बाशिंदों को जाना चाहिए कि वे खुद को अकेला न समझें! पूर्वोत्तर के प्रदेशों की यह पुरानी शिकायत रही है कि नई दिल्ली उनकी तकलीफों के प्रति संजीदा नहीं है।

न्याय की आस

यह अच्छा हुआ कि 34 साल बाद ही सही, कश्मीर में 1989 से 1995 के बीच कश्मीरी हिंदुओं की हत्याओं की जांच कराने का निर्णय लिया गया। यह जांच जम्मू-कश्मीर की एजेंसी एसआइए यानी राज्य जांच एजेंसी को सौंपी गई है। यह एजेंसी हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज नीलकंठ गंजू की हत्या की भी जांच करेगी, जिन्हें केवल इसलिए मार डाला गया था, क्योंकि उन्होंने न्यायाधीश के तौर पर जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के आतंकी मकबूल बट को फांसी की सजा सुनाई थी। 1989 से 1995 के बीच बड़ी संख्या में कश्मीरी हिदुओं की नृशंस तरीके से हत्या ही नहीं की गई थी, बल्कि उनकी महिलाओं से दुष्कर्म भी किए गए थे। इसके अलावा कश्मीरी हिंदुओं को हरसंभव तरीके से प्रताड़ित और आतंकित किया गया था। वास्तव में वे इसी कारण बड़ी संख्या में कश्मीर घाटी छोड़ने के लिए विवश हुए। उनके सामने घाटी छोड़ने के अलावा अन्य कोई विकल्प इसलिए नहीं रह गया था, क्योंकि न तो केंद्र की सरकारों ने उनकी दुर्दशा पर ध्यान दिया और न ही राज्य की। परिणाम यह हुआ कि लाखों कश्मीरी हिंदू अपने ही देश में शरणार्थी बनने के लिए विवश हुए। कुछ को तो वर्षों तक जम्मू में बेहद दयनीय दशा में अपनी गुजर-बसर करनी पड़ी। हालांकि कश्मीरी हिंदुओं के संगठन समय-समय पर अपने खिलाफ हुए अन्याय और अत्याचार की जांच कराने की मांग उठाते रहे, लेकिन किसी ने भी उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया। यह समझना कठिन है कि घाटी छोड़ने और दर-दर भटकने वाले कश्मीरी हिंदुओं को न्याय दिलाने की कहीं कोई कोशिश क्यों नहीं की गई? इस संदर्भ में एक प्रश्न सुप्रीम कोर्ट को लेकर भी उठता है कि आखिर बार-बार अनुरोध करने के बाद भी वह कश्मीरी हिंदुओं के साथ हुए अन्याय के मामलों की जांच कराने के लिए तैयार क्यों नहीं हुआ? आखिर जब 40 साल पुराने सिख विरोधी दंगों की नए सिरे से जांच हो सकती है तो फिर करीब 34 साल पहले कश्मीर में कश्मीरी हिंदुओं के खिलाफ जो कुछ हुआ, उसकी जांच कराने की पहल क्यों नहीं की गई? यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर सुप्रीम कोर्ट को भी देना चाहिए। जो भी हो, अब आवश्यक केवल यह नहीं है कि कश्मीरी हिंदुओं के साथ हुए अत्याचार की गहन जांच की जाए, बल्कि दोषी लोगों को जितनी जल्दी संभव हो, दंडित किया जाए।

अंधाधुंध शहरीकरण से उपजी समस्याओं का निदान जरूरी

ANALYSIS

दीपक कुमार त्यागी

शहरी क्षेत्र के लिए कुछ अन्य विशेषताएँ भी होती हैं, जिसमें उस क्षेत्र में उद्योग-धंधे, व्यवस्थित आवासीय क्षेत्र, सुनियोजित ढंग से बिजली-पानी, सीवरेज की व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था होती है, ऐसे आबादी वाले क्षेत्र को ही शहर के अंतर्गत मानते हैं। इन सुविधाओं से आकर्षित होकर व ग्रामीण क्षेत्रों की कठिन जीवनशैली के चलते देश में पिछले कुछ दशकों में लोगों ने रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में बड़े पैमाने पर गांव से शहरों की तरफ पलायन किया है, जिसके चलते आज आलम यह है कि पुराने शहरों के अव्यवस्थित विस्तार के साथ कुकुरमुत्ते की तरह जगह-जगह अंधाधुंध वैध व अवैध शहरी क्षेत्र बन गये हैं, जिन क्षेत्रों के सभी निवासियों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारे सिस्टम के सामने बड़ी चुनौती बन गयी है। वैसे, शहरीकरण से संबंधित अगर कुछ आँकड़े देखें तो साफ नजर आता है कि कभी गांवों का देश माने जाने वाला भारत अब तेजी से शहरों में बदल रहा है।

भारत में पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण क्षेत्रों से तेजी के साथ शहरों की तरफ बड़ी आबादी का पलायन हुआ है, जिसके चलते देश में जगह-जगह अंधाधुंध अव्यवस्थित शहरीकरण हुआ है। हालांकि किसी क्षेत्र को शहरी क्षेत्र माने जाने के लिए कुछ आवश्यक मानदंड हैं, जिनके अनुसार उस क्षेत्र में 5000 या इससे अधिक व्यक्तियों की आबादी का निवास करना जरूरी है, वहां की 75 फीसदी आबादी गैर-कृषि व्यवसाय करती हो, वहीं इस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व भी 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर होना चाहिए। शहरी क्षेत्र के लिए कुछ अन्य विशेषताएँ भी होती हैं, जिसमें उस क्षेत्र में उद्योग-धंधे, व्यवस्थित आवासीय क्षेत्र, सुनियोजित ढंग से बिजली-पानी, सीवरेज की व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था होती है, ऐसे आबादी वाले क्षेत्र को ही शहर के अंतर्गत मानते हैं। इन सुविधाओं से आकर्षित होकर व ग्रामीण क्षेत्रों की कठिन जीवनशैली के चलते देश में पिछले कुछ दशकों में लोगों ने रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में बड़े पैमाने पर गांव से शहरों की तरफ पलायन किया है, जिसके चलते आज आलम यह है कि पुराने शहरों के अव्यवस्थित विस्तार के साथ कुकुरमुत्ते की तरह जगह-जगह अंधाधुंध वैध व अवैध शहरी क्षेत्र बन गये हैं, जिन क्षेत्रों के सभी निवासियों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारे सिस्टम के सामने बड़ी चुनौती बन गयी है। वैसे, शहरीकरण से संबंधित अगर कुछ आँकड़े देखें तो साफ नजर आता है कि कभी गांवों का देश माने जाने वाला भारत अब तेजी से शहरों में बदल रहा है। इन आँकड़ों के अनुसार देश में वर्ष 2001 तक हमारी आबादी का 27.81 फीसदी हिस्सा शहरों में रहता था। जबकि वर्ष 2011 के आँकड़ों के अनुसार यह स्थिति बदल कर 31.16 फीसदी तक पहुंच गई और वर्ष 2018 में तेजी के साथ बदलते हुए शहरीकरण का यह आँकड़ा बढ़ कर 33.6 फीसदी तक पहुंच गया। देश में शहरी आबादी में तेजी से हुई यह बढ़ोत्तरी बेहद आश्चर्यजनक है। वहीं देश में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार शहर-कस्बों की कुल संख्या 5,161 थी, जो कि वर्ष 2011 की जनगणना में तेजी से बढ़ कर 7,936 हो गई, वहीं अब नयी जनगणना में इस स्थिति में फिर से वृद्धि देखने को नजर आयेगी। देखें तो संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में विश्व की करीब आधी आबादी शहरों में निवास करने लगी है, वहीं जिस तेजी के साथ भारत में गांवों से रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में पलायन अनवरत चल रहा है, उसको देखकर लगता है कि वर्ष 2050 तक हमारे देश की भी आधी आबादी शहरों-कस्बों के क्षेत्र में आकर के निवास करने लगेगी। जो यह दशार्ती है कि भारत में शहरीकरण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। देश में तेजी के साथ होते इस शहरीकरण का सबसे दुखद पहलू यह है कि हम लोग नित-नयी समस्याओं से जूझने के चलते औसत स्तर का जीवन जीने से भी वंचित होते जा रहे हैं। आज देश में शहरी क्षेत्रों में आलम यह है गया है कि शहरी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा लगभग 17.4 फीसदी लोग तो सुविधाओं के भारी अभाव के साथ ही झुग्गी-झोपड़ियों में जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं। बाकी बची शहरी आबादी की बात करें तो उसके सामने भी तरह-तरह की ज्वलंत समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। देश में तेजी के साथ होते शहरीकरण के चलते ही आज देश के अधिकांश शहर अव्यवस्थित शहरीकरण के गंभीर रूप से शिकार होकर के समस्याओं के अंबार से बुरी तरह से घिर गये हैं। शहरों के मूलभूत सुविधाओं के ढांचे पर तेजी से बढ़ती शहरी आबादी का बोझ इतना अधिक बढ़ गया है, उस बोझ को उठाने में अब हमारे शहरों का सिस्टम जवाब देने लगा है। आज सिस्टम अपने शहर के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण एक औसतन जीवन शैली देने में विफल होता जा रहा है। आज शहर के लोगों के सामने 'सुरसा' की तरह गंभीर समस्याएं मुंह खोल कर तैयार खड़ी हैं, शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बढ़ती आबादी का बोझा उठाने में बार-बार विफल हो रहा है। हाल ही में दिल्ली सहित देश के कुछ अन्य भू-भागों में आयी बाढ़ भी इस स्वरूप का एक हिस्सा था। आज शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी को गुणवत्तापूर्ण रोजी-रोटी, शिक्षा, चिकित्सा, आवास, स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित कचरा निस्तारण प्रबंधन, स्वच्छ वायु, प्रदूषण मुक्त आवोहवा उपलब्ध करवाना, बेहतर परिवहन व्यवस्था, पार्किंग, सीवरेज सिस्टम उपलब्ध करवाना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गयी है। सिस्टम के सामने शहरों को झुग्गी-झोपड़ियों, गंदी मलिन बस्तियों की समस्या से निजात दिलवाने की बहुत बड़ी चुनौती खड़ी है, आज शहरों में सुचारू यातायात व्यवस्था, कानून व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा का माहौल बनाकर रखना एक बड़ी चुनौती है। तेजी से शहरीकरण की प्रक्रिया के चलते आज संयुक्त परिवार एकाकी परिवार में बदल रहे हैं, देश के शहरों में परिवारों का आकार बहुत तेजी के साथ सिकुड़ता जा रहा है, आपसी रिश्ते व नातेदारी के संबंध बेहद कमजोर हुए हैं, जिसके चलते तेजी से विघटित होते परिवारों की अपनी ही बेहद गंभीर समस्याएं हैं, उनका निदान करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। समाज में व्याप्त आर्थिक असमानता और निर्धनता के चलते लोगों व सिस्टम के सामने विभिन्न प्रकार की गंभीर समस्याएं हर वक्त खड़ी रहती हैं। देश में शहरों के अव्यवस्थित विकास के चलते प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, जिससे चलते गंभीर प्रवृत्ति की पर्यावरण व प्रकृति से जुड़ी नित-नयी गंभीर समस्याएं खड़ी हो रही हैं। शहरीकरण के चलते गांव व शहर दोनों जगहों पर लैंगिक अनुपात में अंतर पैदा हो रहा है, जो परिवार व समाज में विभिन्न समस्याओं की जननी है। हालांकि तेजी से होते शहरीकरण की प्रक्रिया ने देश में कुछ बेहद आवश्यक सकारात्मक बदलाव करने के कार्य भी किये हैं, शहरों में आकर लोगों की आय में वृद्धि तो हुई है। उनका परिवार पढ़ाई-लिखाई, महिलाओं व बच्चों के घरेलू व सामाजिक हालात को बेहतर करने पर ध्यान देता है, जिसके चलते शहरी क्षेत्रों में महिलाओं व बच्चों की परिस्थिति ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी बेहतर है, वहीं शहरीकरण ने तेजी के साथ सकारात्मक रूप से देश की राजनीतिक परिस्थितियों में व्यापक बदलाव करते हुए, देश के चुने हुए जनप्रतिनिधियों को आम जनमानस के प्रति जवाबदेह बनाने का एक कार्य भी किया है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

अराजकता की शिकार बनतीं स्त्रियां

यू आखिर क्यों स्त्री को ही हमेशा भुगतना पड़ता है? सदियों से क्यों स्त्री ही लांछित होती आई है और आज भी हो रही है? स्त्रियों ने कभी कोई युद्ध शुरू नहीं किया, परंतु इतिहास साक्षी है युद्ध से स्त्री ही सबसे अधिक प्रभावित हुई है। महाभारत में भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण हुआ। हाल में मणिपुर में भरे समाज में दो स्त्रियों को निर्वस्त्र करने की घटना सामने आई। स्त्री किसी भी समुदाय की होने से पहले एक स्त्री है। किसी भी स्त्री के साथ किया गया अपमान स्त्री जाति का अपमान है। स्त्री पर किया गया अत्याचार पूरी स्त्री जाति पर अत्याचार है। लज्जा से गड़ी जा रही हूं मैं उसे देख और सुनकर जो मणिपुर की महिलाओं के साथ हुआ। मणिपुर में जो हुआ, वह निंदनीय ही नहीं, मानवता के लिए कलंक है। इससे प्रदेश के साथ देश भी शर्मसार हुआ है। मणिपुर हाई कोर्ट के एक फैसले की आड़ लेकर राज्य में तीन मई को हिंसा भड़की। उसने जल्द ही सांप्रदायिक रूप ले लिया। इस सांप्रदायिक हिंसा में मानवता बार-बार तारझतार हुई। इसके अगले दिन यानी यानी चार मई को पुरुषों के एक समूह द्वारा दो स्त्रियों की मयार्दा के साथ खिलवाड़ करते हुए दिल दहला देने वाली घटना घटित हुई। उसका वीडियो बीते दिनों सामने आया। इस वीडियो ने मन पर जो प्रभाव डाला, उसे बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं। महिलाओं के साथ हैवानियत देखकर पूरा देश दुखी हुआ और शर्मिंदा भी। इस भयावह अपराध में शामिल सभी अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। इन लोगों के लिए तो मौत की सजा भी बहुत कम है। अभी तो एक वीडियो ही सामने आया है। कितनी ही घटनाएं अभी अंधेरे में हैं। उनका सामने आना बाकी है। चूड़चंदपुर, जो हिंसा का केंद्र बना, वहां के पुलिस स्टेशन में हिंसा, हत्या और महिलाओं से दुर्व्यवहार से संबंधित एक हजार से भी अधिक मामले दर्ज हुए हैं। कम आबादी वाले राज्य में यह छोटी संख्या नहीं हैं। विष्णुपुर जिले के कुंबी क्षेत्र में एक लड़की और उसकी दादी के साथ किए गए अत्याचार की जो खबर स्थानीय अखबारों में छपी, वह भी दिल दहलाने वाली थी। इसी तरह मोरेह में एक वृद्धा को जिंदा जला दिया गया।

इंफाल से विष्णुपुर गई एक लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। पहाड़ की तलहटी में बसे मैतेयी गांवों की स्त्रियों के साथ दुष्कर्म किए जाने की बात भी फैली। इस तरह के दंगों में अफवाहें भी बहुत फैलती हैं, इसलिए सभी घटनाओं की सघन जांच जरूरी है। उम्मीद है कि जांच जल्द अंजाम तक पहुंचेगी और अपराधियों को समय रहते सजा मिलेगी। यह हैरत की बात है कि चार मई को मणिपुर के साथ पूरे देश को शर्मसार करने वाली घटना के करीब एक महीने बाद इस केस को दर्ज किया गया। इस पर देश भर से प्रतिक्रिया आने के बाद ही कुछ लोगों को पकड़ा गया। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने भी यह कहा कि इस निंदनीय अपराध में शामिल किसी को बख्शा नहीं जाएगा। बख्शा भी नहीं जाना चाहिए, लेकिन इस और इस जैसी अन्य घटनाओं के कारणों को भी खोजने की जरूरत है। आखिर ऐसी घटनाएं क्यों घटीं? स्थिति इतनी बिगड़ी तो क्यों? मणिपुर पहले कभी वैसा नहीं था, जैसा आज दिखने लगा है। यहां स्त्रियां हमेशा से सुरक्षित और सशक्त रही हैं। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने में मणिपुर की स्त्रियां कभी पीछे नहीं रहीं। शक्तिशाली अंग्रेजी साम्राज्य की अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ यहां की स्त्रियां उठ खड़ी हुई थीं। बहुचर्चित स्त्री संघर्ष नुपी लान मणिपुर में ही छिड़ा था। यह संघर्ष मणिपुरी समाज में स्त्रियों की सशक्त स्थिति का प्रमाण है। इसी मणिपुर से स्त्रियों के प्रति अत्याचार की खबरें सुनकर बहुत दुख और कष्ट होता है, मगर दुख की अनुभूति करने भर से समस्या खत्म नहीं हो जाएगी।

ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं तो उनकी उत्पत्ति के कारणों को समझना भी जरूरी है। कानून-व्यवस्था के होते हुए यदि आम लोगों पर अत्याचार होते हैं तो अत्याचारियों को सबक सिखाया जाना जरूरी है। यह काम जितनी जल्दी हो, किया जाना चाहिए। अपराधियों को इसका अहसास होना चाहिए कि वे सजा से बच नहीं पाएंगे। यह संदेश देने की जरूरत है कि जो भी कानून तोड़ेगा, उसे उसकी सजा मिलेगी। वास्तव में अपराधियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि कोई भी स्त्री की तरफ गलत नजर से देखने की हिम्मत तक न करे।

इसके साथ ही निदोर्षों पर गोली चलाने वालों को भी नहीं बख्शा जाना चाहिए। जो हाथ में बंदूक लिए आतंकियों की तरह लोगों को मार रहे हैं, उनका दमन बहुत जरूरी है। म्यांमार से लोगों के अवैध तरीके से आने और कुकी उग्रवादियों के साथ मिलकर मणिपुर के आम लोगों पर आक्रमण करने वालों को जब तक काबू में नहीं किया जाएगा, तब तक राज्य में शांति नहीं आएगी। म्यांमार से तमाम लोग अवैध तरीके से अभी भी मणिपुर आ रहे हैं, इसकी कई स्रोतों से पुष्टि हो चुकी है। इन विदेशी लोगों की घुसपैठ को रोका ही जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के बयान और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद हमें आशा जगी है कि समस्या की उत्पत्ति के कारणों की जांच और मूल कारणों की पहचान होगी तथा सभी अपराधियों को कठोर सजा दी जाएगी। यहां यह कहना भी जरूरी है कि अगर मणिपुर में हो रहे नरमेध के अपराधियों के खिलाफ पहले दिन से ही सख्ती बरती जाती तो हालात इतने खराब नहीं होते और इतने अधिक लोगों की जान नहीं जाती और स्त्रियों के साथ इतना अमानवीय व्यवहार नहीं होता।

Social Media Corner

सच के हक में...

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय झारखण्ड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन के शुभ अवसर पर दिशोम गुरु आदरणीय श्री शिबू सोरेन जी की उपस्थिति में कार्यक्रम में शामिल हुआ। इस अवसर पर सभी को अनेक-अनेक शुभकामनाएं और जोहार। इस महोत्सव के अपने मायने हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए आदिवासी समूह अपना नृत्य एवं गायन तो प्रस्तुत करेंगे ही साथ ही आदिवासी समाज की समस्या एवं अन्य समसामयिक विषयों पर संगोष्ठियां और पैनल आदि के अंतर्गत प्रबुद्धजनों द्वारा चर्चा भी की जाएगी। इसके साथ ही आदिवासी समाज, संस्कृति और सभ्यता से जुड़े विभिन्न विशेषताएं महोत्सव की शोभा बढ़ाएंगे।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

अपनी संस्कृति एवं परंपराओं के साथ चल कर ही हम सही मायने में समृद्ध कहे जा सकते हैं । आइए हम सभी मिलकर आदिवासियों की इस विविध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का संकल्प लें । विश्व आदिवासी दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

जीवन रेखा में उल्लेखनीय सुधार

यदि कोरोना प्रकोप छोड़ दिया जाए तो अब इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के देशों में जीवन रेखा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के समग्र प्रयासों का परिणाम है कि अपने समय की जानलेवा बीमारियां टीबी, मलेरिया, टाइफाइड, पोलियो, पीलिया, डायरिया आदि पर काफी हद तक कंट्रोल कर लिया गया है। दुनिया के देशों में बाल मृत्यु दर लगभग आधी रह गई है तो प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु दर भी करीब एक तिहाई रह गई है। संस्थागत प्रसव ने हालात में तेजी से सुधार किया है। दुनिया के अधिकांश देशों में संक्रामक रोगों का असर भी कम हुआ है तो डेंगू, स्वाइन फ्लू व इसी तरह की कुछ जानलेवा बीमारियां सामने आने लगी हैं। पिछले कुछ दशकों से हमारे देश ही नहीं दुनिया के लगभग अधिकांश देशों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके लिए वैक्सिनेशन अभियान और सरकारों द्वारा अनवरत रूप से चलाए जाने वाले अवेयरनेस और नियंत्रण अभियानों से हालात में तेजी से सुधार हुआ है। लोगों की जीवन प्रत्याषा में बढ़ोतरी हुई है। कोरोना के अपवाद को अलग कर दिया जाए तो जहां 2000 में औसत आयु 67 साल होती थी वह 2019 तक बढ़ कर 73 साल हो गई है। यानी 19 सालों में छह साल अधिक जीने लगे हैं आम नागरिक। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धी है सरकारों और स्वास्थ्य सेवाओं की। यदि हमारे देश की ही बात करें तो जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान के तहत महिला के प्रेगनेंट होने के साथ से ही नियमित जांच, दवा और टीकों का अभियान चलने के साथ ही प्रसव के बाद बच्चों की सुरक्षा और भविष्य में बीमारी ना हो इसके लिए नवजात बच्चों को मासिक, त्रैमासिक, छमाही, वार्षिक के साथ ही पांच-सात साल की उम्र होने तक जिस तरह से अलग-अलग बीमारियों से सुरक्षा के लिए टीके लगाये जा रहे हैं और सरकारी डिस्पेंसरियों में वार विशेष को टीका लगाने की व्यवस्था होने से लोगों में अवेयरनेस आई है और इसका सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगा है। टीकाकरण और समय-समय पर एनिमिया, दस्त निरोधक, कृमि नाशक दवाएं अभियान चलाकर उपलब्ध कराने से सेहत के क्षेत्र में लगातार सुधार आया है। यह वास्तव में चिकित्सा जगत की बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए और इसके लिए सरकारों व स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों को श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्हीं के प्रयासों से यह संभव हो पाया है। एक तरफ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से जीवन रेखा बढ़ी है तो तस्वीर का धुंधला पहलू यह भी सामने आना लगा है कि जो चीजें हमें प्रकृति से आसानी से मिल जाती है जिन तक सहज पहुंच है उन्हीं की डेफिसिएंसी ज्यादा होने लगी है। यह सब हमारे रहन-सहन, खान-पान और दौड़ती भागती जिंदगी का परिणाम है। आज लोगों में विटामिन डी या सी की कमी आम होती जा रही है। जबकि हम जानते हैं कि चंद मिनटों यानी पांच-सात मिनट प्रतिदिन धूप सेवन ये विटामिन डी की डेफिसिएंसी को दूर किया जा सकता है पर हालात यह हो गए कि हम केमिकल से तैयार दवा लेने को तैयार है पर पांच मिनट धूप सेवन के लिए हमारे पास समय की कमी है। हालांकि मेट्रो सिटीज में गगनचुंबी अट्टालिकाओं के कारण सूर्य भगवान से साक्षात्कार करना लगभग मुश्किल भरा हो जाता है। इसी तरह से काम धंधे की भागदौड़ में धूप सेवन जैसी प्रकृति से सीधे साक्षात्कार का अवसर लाभ नहीं ले पाते हैं। और तो और रंग काला हो जाएगा इसी के चलते धूप से परहेज किया जाने लगा है। इसी तरह से बच्चों का मिट्टी में खेलने तो अब सपना रह गया है। परंपरागत खेल जो शारीरिक व मानसिक व्याधियों से बचाने में सहायक होते थे आज कहीं नेपथ्य में चले गए हैं। आज पैसा खर्च कर जिम में जाकर पसीना बहाने को तैयार है पर प्राकृतिक रूप से मिलने वाले उपहार धूप, हवा और पानी से दूर होते जा रहे हैं। एक कारण बढ़ता प्रदूषण भी है।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

हम झारखंडियों के लिए यह अफसोस की बात है कि हमारे राज्य का अभी तक वह विकास नहीं हो सका जिसका सपना देखा गया था। दरअसल, इस राज्य के पिछड़ेपन के कई कारण हैं जिन्हें दूर किए जाने की जरूरत है। अपने प्रधानमंत्री को कुछ विंदुओं पर ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा जो राज्य के पिछड़ेपन की वजह हैं। इन विंदुओं पर योजना बनाकर काम करने की जरूरत है। सबसे पहले जरूरी है कि राज्य के सभी 24 जिलों को रेल परियोजनाओं से जोड़ा जाए ताकि आम आदमी को इसका लाभ मिल सके। आदिवासी भूमि विकास बैंक की स्थापना कर उसे सक्रिय किया जाए। इससे आदिवासियों को ऋण मिलने में सुविधा होगी और उनका विकास हो सकेगा। राज्य में कई सरकारी व अर्धसरकारी कारखाने बंद चल रहे हैं। उन्हें पुनर्जीवित कर संचालन शुरू हो तो स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, समृद्धि आएगी। सभी जिलों में बहुउद्देशीय नहर के निर्माण की आवश्यकता है। नदियों पर बांध बनाकर नहरों के माध्यम से सभी जिलों में सिंचाई की सुविधा मुहैया कराई जा सकती है। झारखंड में कितने लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं इसका सटीक आंकड़ा जरूरी है। इसके लिए किसी सक्षम सरकारी पदाधिकारी से सर्वे कराने की जरूरत है। सर्वे कराकर गरीबी रेखा से नीचे वालों को इसका प्रमाणपत्र दिया जाए ताकि उनकी पहचान रहे। इसके अलावा आदिवासी जमीन को सीएनटी एक्ट से मुक्त किया जाना भी समय की मांग है। तभी हम इस राज्य की बेहतरी के बारे में सोच सकते हैं और कुछ कर सकते हैं।

प्रकाश टोपनो, कांग्रेसी नेता, रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सूर्यकुमार सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

गुयाना (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 100 छक्के पूरे किये। सूर्या ने 49वीं पारी में ही 100 छक्के लगाये हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के दूसरे खिलाड़ी हैं। सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के एविन लुईस के नाम है। एविन ने 48 पारियों में ही 100 छक्के लगाये थे। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने भी 49 पारियों में 100 छक्के लगाये थे। न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 57 जबकि ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच ने 70 पारियों में इतने छक्के लगाये थे।

सूर्यकुमार छक्के लगाने के मामले में कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से कहीं आगे हैं। रोहित ने 84 जबकि विराट ने 94 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। सूर्यकुमार ने टी20 में केवल 1007 गेंदें खेलकर ही यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। इससे साफ है कि हर 10वीं गेंद पर उन्होंने छक्का लगाया है।

गौरतलब है कि साल 2022 के बाद से ही टी20 में सूर्यकुमार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया हहै। गुयाना में खेल गए तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाने के बाद सूर्यकुमार ने 14 बार 50 से अधिक रन बनाने का रिकार्ड बनाया है। इस सूची में दूसरे नंबर पर मोहम्मद रिजवान हैं उन्होंने 12 लगाये हैं जबकि विराट कोहली ने 9, फहीम नजीर ने 8 और मोहम्मद वसीम ने 8 अर्धशतक अपने नाम किये हैं। का भी नाम है। सूर्यकुमार ने केवल 51 मैचों में ही 12वां प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हासिल किया। उन्होंने इसी के साथ ही कप्तान रोहित शर्मा के 12 अवार्ड की बराबरी भी कर ली।

अश्विन और प्रज्ञान बोले, तिलक को विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। तिलक ने जिस प्रकार वेस्टइंडीज दौरे पर जिम्मेदारी भरी पारियां खेली हैं उससे सभी प्रभावित हैं। तिलक ने यहां तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाया है। दूसरे टी20 में भी इस बल्लेबाज ने अर्धशतक लगाया था जबकि पहले मैच में 39 रन बनाये हैं। इसी को देखते हुए अब अनभवी स्पिनर आर अश्विन ने पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा तक ने तिलक को एकदिवसीय विश्व कप में जगह दिए जाने की की मांग की है। तिलक ने आईपीएल में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण भी शानदार रहा है। उन्होंने परिपक्वता भी दिखाई है। टीम इंडिया के पास एकदिवसीय प्रारुप में एक भी बल्लेबाज शीर्ष क्रम में नहीं है। ऐसे में उन्हें शामिल करने से दाएं-बाएं का संयोजन विरोधी गेंदबाजों को मुश्किल में डाल सकता है। लिस्ट-ए क्रिकेट में हैदराबाद से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले तिलक ने 25 पारियों में 5 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने कहा कि एकदिवसीय में टीम इंडिया के लिए नंबर-4 समस्या बनी हुई है जिससे तिलक हल कर सकते हैं क्योंकि वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर लेते हैं। प्रज्ञान ने कहा कि वह अच्छा दिख रहा है और उसने हर मैच में संयम भी दिखाया है। उनके आने से टीम को बाएं हाथ का बल्लेबाज भी मिल जाएगा। इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी कहा था कि टीम में बाएं हाथ का कम से कम एक बल्लेबाज होना चाहिये।

अश्विन ने कहा कि सभी तिलक के खेल का मजा ले रहे हैं। वह वेस्टइंडीज की धीमी पिच पर कमाल की बल्लेबाजी कर कर रहे हैं। उनके कई शॉट रोहित शर्मा की तरह लगते हैं। संजू सैमसन ने एकदिवसीय में अच्छा किया है पर तिलक के आने से विश्वकप में टीम को फायदा मिल सकता है। अब देखना होगा कि क्या उन्हें बैकअप प्लान के तौर पर टीम में शामिल किया जाता है या नहीं। तिलक वर्मा ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 25 मैच में 56 की औसत से 1236 रन बनाये हैं। इस दौरान नाबाद 156 रन उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इससे पता चलता है कि वह बड़ी पारी भी खेल सकते हैं।

सचिन ने श्रीलंका में बच्चों को भरपेट खाना नहीं मिलने पर दुख जताया

-भरपूर आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया

कोलंबो (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर आजकल श्रीलंका दौरे पर हैं। श्रीलंका आजकल आर्थिक संकट से गुजर रहा है, ऐसे में यहां कीमतें काफी बढ़ गयी हैं और जरुरी सामान की भी कमी है। इसका असर बच्चों पर भी पड़ा है। सचिन ने यहां बच्चों को भरपेट खाना नहीं मिलने पर चिन्ता जतायी है। इस महान बल्लेबाज ने यहां के एक स्कूल के दौरे के दौरान बच्चों को पोषण से भरपूर आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर भी बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने कोविड-19 महामारी और देश के आर्थिक संकट से प्रभावित लोगों से भी बात की। तेंदुलकर ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनिसेफ के सद्भावना दूत के तौर पर कहा, बच्चे भविष्य होते हैं, अगर आज हम उनकी सहायता करेंगे, तो कल वे हमें गौरवान्वित करेंगे। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि श्रीलंका में कई परिवार बच्चों को आवश्यक गुणवत्ता और मात्रा में भोजन भी नहीं दे पा रहे हैं।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, आजकल कई बच्चे इस कारण छोटे कद के हो रहे हैं। तेंदुलकर को पूरे दक्षिण एशिया में स्वच्छता पर जोर देने के लिए 2013 में क्षेत्र के लिए यूनिसेफ का दूत नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में मैच खेलता था, तब हालात ये थे कि जब मैं दोपहर के समय बल्लेबाजी करता था तो भोजन नहीं कर पाता था। मैं कुछ सॉफ्ट ड्रिंक पीकर बल्लेबाजी करता था।

उन्हें बाद में पता चला कि ठीक से दोपहर का भोजन नहीं करने से उनकी सेहत प्रभावित हुई थी। इस क्रिकेटर ने कहा कि यह पोषण को लेकर एक बड़ा सबक था। तेंदुलकर ने कहा, बच्चों को उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जरुरत होती है। उनकी शिक्षा और पोषण में निवेश करके, हम न केवल उनके भविष्य में बल्कि हर देश के भविष्य को भी बेहतर करते हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: वनडे रैंकिंग में टॉप-5 में शुबमन गिल शामिल, कुलदीप यादव को भी हुआ फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की थी। वहीं गिल और ईशान किशन दोनों ही तीन मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के बाद काफी फायदा हुआ है। जबकि कुलदीप यादव को भी आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी गेंदबाजी का लाभ मिला है।

दरअसल, आईसीसी वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल ने 2 नंबर की छलांग लगाई है। जिसके बाद वो टॉप 5 में काबिज हो गए हैं। वहीं ईशान किशन को भी वनडे रैंकिंग में काफी बड़ा फायदा हुआ है।

बता दें कि, पाकिस्तान के बाबर आजम वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। जबकि साउथ अफ्रीका के रासी वैन डेर डुसेन 777 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे पर 755 अंकों के साथ फखर जमान और इमाम उल हक 746 अंकों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

कुलदीप यादव को भी फायदा

दूसरी तरफ गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो, भारतीय स्टार स्पिनर कुलदीप यादव टॉप 10 में शामिल हो गए हैं। कुलदीप ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन कर 7 विकेट झटके थे। जिसकी बदौलत वो 10वें स्थान पर हैं।

एंडी मरे नेशनल बैंक ओपन के अगले दौर में पहुंचे

टोरंटो। ब्रिटेन के तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन एंडी मरे ने नेशलन बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को दो सेट में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मरे ने यहां 2009, 2010 और 2015 में ट्राफी जीती थीं और अब उनकी कोशिश यहां चौथा खिताब अपने नाम करने की है। उन्होंने 90 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-0 से जीत हासिल की। अब मरे का सामना आस्ट्रेलिया के मैक्स पर्सेल से होगा जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-4, 6-4 से पराजित किया। कनाडा के गैब्रियल डियालो ने ब्रिटेन के डैन इवांस को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी टूर लेवल का अपना पहला मैच जीता। अब उनका सामना दूसरे दौर में आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर से होगा।

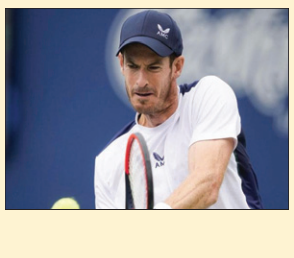

विश्वकप के लिए सभी टीमें पांच सितंबर तक घोषित करें संभावित खिलाड़ी: आईसीसी

मुम्बई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय किकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत में पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अगले माह पांच सितंबर तक सभी टीमों से अपने संभावित 15 खिलाड़ियों की सूची घोषित करने को कहा है। आईसीसी ने हालांकि कहा कि ये टीमें बाद में भी खिलाड़ियों में बदलाव कर सकेंगी। ऐसे में अब सभी टीमों के पास एक घंटे से भी कम समय है जिसमें उन्हें अपनी टीम घोषित करनी होगी। 46 दिन तक चलने वाले इस आईसीसी टूर्नामेंट में कुल 48 मुकाबले खेले जाएंगे। ये मुकाबले 10 स्थलों पर खेले जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार सभी टीमों को 5 सितंबर तक 15 खिलाड़ियों की सूची आईसीसी को देनी होगी हालांकि इसमें 27 सितंबर तक बदलाव किया जा सकेगा। वहीं इसके बाद किसी भी बदलाव के लिए पहले आईसीसी की तकनीकी समिति से अनुमति लेनी होगी। अब तक केवल ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 18 सदस्यीय संभावित टीम घोषित की है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड सहित अन्य देशों के पास भी अब टीम घोषित करने के लिए एक माह से भी कम समय है। भारतीय टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। भारतीय टीम के पास विश्व कप से पहले अभ्यास के लिए अधिकतम 9 ही मैच बचे हुए हैं। ऐमें उसे भी शीघ्र ही अपने सूची आईसीसी को सौंपनी होगी।

टीम इंडिया के कमजोर मध्यक्रम से युवराज चिन्तित

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने आगामी एकदिवसीय विश्वकप से पहले टीम इंडिया की कमजोर बतायी है। युवराज ने पहले भी कहा कि वह टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं पर अभी के हालातों को देखते हुए ऐसा नहीं लगाता। 2011 विश्वकप जीत के इस हीरो ने कहा कि टीम को मध्यक्रम अच्छा नहीं है। खिलाड़ियों के चोटिल होने से ऐसा हुआ है। केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत के फिट नहीं होने के कारण भारत के पास सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन पर भरोसा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। इस बात की पूरी संभावना है कि अगर राहुल और अय्यर समय पर लौटते हैं तो ही मध्य क्रम बेहतर होगा पर अगर ये दोनो ही समय के साथ वापसी नहीं कर पाते हैं, तो फिर विश्वकप में भारतीय टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस ऑलराउंडर ने कहा, मैं अन्य लोगों की तरह कह सकता हूं कि भारत जीतेगा क्योंकि मैं एक भारतीय हूं। पर मैं चोटों के कारण भारतीय मिडिल मध्य क्रम की हालत समझता हूं। अगर उन चिंताओं को दूर नहीं किया जाता है, तो हम संघर्ष करेंगे, खासकर दबाव वाले मैचों में। दबाव के खेल में प्रयोग नहीं किये जा सकते। मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने का कौशल एक सलामी बल्लेबाज से बहुत अलग होता है। विश्वकप को अब दो महा है , ऐसे में अब देखना होगा कि टीम प्रबंधन में कोई है जो मध्य क्रम में खेलने वाले खिलाड़ियों पर नजर रख रहा है। वहीं अगर मध्य क्रम तैयार नहीं है तो उसके तैयार करना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाते हैं तो आपको साझेदारी बनाने की जरूरत है। ऐसे में मध्यक्रम की जिम्मेदारी अहम हो जाती है। केवल वही बल्लेबाज नहीं होते जो आक्रामक शॉट खेलते हैं। मध्यक्रम में ऐसे बल्लेबाज होते हैं जो हालात के अनुसार खेलते हैं। उन्हें दबाव झेलना पड़ता है, कुछ गेंदें छोड़नी पड़ती हैं और एक साझेदारी बनानी होती है, ये आसान नहीं होता इसके लिए खिलाड़ी में अनुभवी के साथ ही धैर्य भी होना चाहिये।

विश्व कप को लेकर अश्विन बोले- हम पर अतिरिक्त दबाव डालने के लिए अपनाते हैं यह रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे विश्व कप 2023 तेजी से नजदीक आ रहा है और भारतीय टीम टूर्नामेंट में पसंदीदा टीमों में से एक है। यह ध्यान देने योग्य है कि टूर्नामेंट 5 अक्टूबर को शुरू होने वाला है और इसकी मेजबानी पूरी तरह से भारत द्वारा की जाएगी जो एक और कारण हो सकता है कि भारत को पसंदीदा के रूप में चुना गया है। अश्विन ने कहा कि हर कोई विश्व कप जीतने के लिए भारत को प्रबल दावेदार के रूप में नामित करने की रणनीति का उपयोग कर रहा होगा और इससे अन्य पक्षों को खुद पर से कुछ दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

अश्विन ने कहा, 'मुझे पता है कि क्रिकेट की दुनिया भर के लोग कहते रहेंगे कि भारत पसंदीदा है। दुनिया भर के सभी क्रिकेटर इसे एक रणनीति के रूप में उपयोग करेंगे और प्रत्येक आईसीसी प्रतियोगिता से पहले कहेंगे कि भारत पसंदीदा है; वे इस रणनीति का उपयोग अपना दबाव कम करने और हम पर अतिरिक्त दबाव डालने के लिए करते हैं। भारत पसंदीदा में से एक हो सकता है।'

इसके अलावा अश्विन ने कुछ अन्य टीमों के बारे में भी बात की जिनके पास विश्व कप जीतने की वास्तविक संभावना है। अश्विन ने कहा, 'लेकिन ऑस्ट्रेलिया भी एक पावरहाउस है। हमने बारबाडोस में दूसरे वनडे की हार के बारे में बात की। मैंने उल्लेख किया कि हमें टीम इंडिया का समर्थन करना चाहिए और उन्हें विश्व कप में दबाव मुक्त भेजना चाहिए। अधिकांश सहमत थे, लेकिन उनमें से कुछ इस तरह थे, 'ऐसा लगता है कि वह ऐसा कर रहे हैं।' पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क है कि अगर टीम इंडिया नहीं जीती तो क्या होगा और सब कुछ प्रशंसकों पर दोष मढ़ रहा है।'

भारतीय टीम रविवार 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी और मेजबान टीम टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करने के लिए उत्सुक होगी।

अगले हफ्ते तक हो सकता है राहुल की फिटनेस का फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। दाहिनी जांघ की सर्जरी करवाने के बाद रिहैब प्रक्रिया से गुज़र रहे केएल राहुल की फ्टिनेस को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोड (बीसीसीआई) अगले सप्ताह की शुरुआत तक स्पष्टता दे सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, राहुल इस सप्ताहांत बेंगलुरु में एक अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे, जिसके बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की मेडिकल टीम उनकी फ्टिनेस पर अंतिम निर्णय लेगी।

रिपोर्ट के अनुसार राहुल 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। इसी कारण एनसीए ने अभी तक बीसीसीआई और राष्ट्रीय चयन समिति को औपचारिक रूप से उनकी उपलब्धता के बारे में सूचित नहीं किया है। जिन लोगों ने हाल ही में राहुल से मुलाकात की है उन्होंने उल्लेख किया है कि एनसीए में चल रहे लेवल-3 कोचिंग सत्र के दौरान वह अच्छी स्थिति में दिख रहे थे। राहुल के करीबी लोगों ने यह भी दावा किया है कि वह आवश्यक कार्यभार का लगभग 85 प्रतिशत प्रबंधन करने में सक्षम हैं। यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है क्योंकि शेष 15 प्रतिशत अभ्यास मैच में ही दिखाया जा सकता है। आमतौर पर खिलाड़ियों को अभ्यास मैचों में तब तक भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाती जब तक कि वे 85 प्रतिशत फिटनेस हासिल न कर लें। इसके अलावा, एनसीए की नीति यह है कि जब तक कोई खिलाड़ी अभ्यास मैच में भाग नहीं लेता और सुरक्षित वापस नहीं आ जाता, तब तक उसे हरी झंडी नहीं दिखाई जाती। उल्लेखनीय है कि इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के एक मैच में फील्डिंग करते हुए राहुल की जांघ की मांसपेशी खिंच गयी थी, जिसके बाद उन्होंने मई में सर्जरी करवाई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि सीमित ओवर क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ता 31 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप में राहुल को खेलता हुए देखना चाहेंगे।

स्टिमक की खिलाड़ियों को रिलीज करने की मांग सही : सेन

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने हाल में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लबों ओर सभी शेयर धारकों से कहा था कि खिलाड़ियों को समय पर रिलीज किया जाना चाहिये। उनकी इस मांग का मोहन बागान के युवा विकास के प्रमुख संजर सेन ने भी समर्थन किया है। स्टिमक ने क्लबों से खिलाड़ियों को समय पर रिलीज करने का अनुरोध इसलिए किया है जिससे कि टीम को एएफसी एशियाई कप 2023 और 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए अधिक अवसर मिल सके। सेन ने स्टिमक के प्रस्ताव को सही करार देते हुए कहा कि इसपर सभी को ध्यान देना चाहिये। सेन पहले आईएसएल क्लब एटीके के तकनीकी निदेशक भी थे। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि स्टिमक ने यह अनुरोध कई कारणों से किया है। साथ ही कहा कि यह पहली बार नहीं है कि किसी कोच ने ऐसा अनुरोध किया है, पहले भी ऐसे अनुरोध किए गए थे। अब यह फ्रेंचाइजी और क्लब मालिकों पर ही निर्भर है। अब हमें देखना होगा कि वे राष्ट्रीय टीम के लिए कितना सोचते हैं। सेन ने कहा, स्टिमक ने अपना अनुरोध पेश करने के लिए सही समय देखा है। वास्तव में, अगर मैं कोच होता, तो यही मांग करता। सेन के अनुसार वे नहीं जानते कि क्लब मुख्य कोच के अनुरोध पर क्या जवाब देते हैं पर कई अंतरराष्ट्रीय क्लबों ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपने खिलाड़ियों को समय से पहले रिलीज जरुर किया है। साथ ही कहा कि इस दौरान क्लब अपने हित भी अवश्य देखेंगे। जिन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय ड्यूटी के लिए खिलाड़ियों को जल्दी फ्री करने पर ज्यादा ध्यान दिया। हालांकि, जैसा कि मैंने कहा है, क्लब अपने हितों को भी देखेंगे।

पीसीबी ने पाक के पूर्व तेज गेंदबाज की पेंशन बहाल की

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सरफराज नवाज को बड़ी राहत मिली है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सरफराज की पेंशन को बहाल कर दिया है। इससे पहले पीसीबी ने तत्कालीन अध्यक्ष नजम सेठी के खिलाफ बयानबाजी के लिए सरफराज की पेंशन रोक दी थी। इसके बाद जनवरी 2017 से ही उनके सभी भुगतान निलंबित कर दिए गए थे। । वहीं पीबीबी प्रमुख में बदलाव के बाद बीमार चल रहे सरफराज ने अपनी पेंशन और निलंबित दौर के रुके हुए भुगतान को हल करने के लिए लाहौर में पीसीबी प्रमुख जका अशरफ से मुलाकात की। अशरफ इस समय पीसीबी की क्रिकेट प्रबंधन समिति के प्रमुख भी हैं। इस दौरान उन्होंने पीसीबी को आचार संहिता के अनुपालन का आश्वासन भी दिया। इसके बाद अशरफ ने क्रिकेट तकनीकी समिति के प्रमुख मिस्बाह उल हक और सदस्य मुहम्मद हफीज की मौजूदगी में बकाया भुगतान के लिए सरफराज को चेक दिया। इस पूर्व तेज गेंदबाज को यह भुगतान पीसीबी की खिलाड़ी कल्याण नीति के तहत किया गया है इस दौरान पीसीबी प्रमुख ने पूर्व खिलाड़ियों को बिना शर्त समर्थन का आश्वासन भी दिया है।

रोहित को विश्वकप में 2011 की सफलता दोहराने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है इस बार उनकी टीम घरेलू धरती पर होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को जीत सकेगी। भारतीय टीम पिछली बार विश्व कप में सेमीफाइनल चरण से आगे नहीं जा सकी थी पर इस बार उसे घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। रोहित के अनुसार उनकी टीम 2011 की सफलता को दोहरा सकती है। साल 2011 में भी भारत में ही विश्वकप हुआ था हालांकि उस टीम में रोहित को जगह नहीं मिली थी। आईसीसी क्रिकेट विश्व 2023 के ट्रॉफी टूर के दौरान रोहित ने भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचाई। इसी दौरान उन्होंने कहा, हम इस साल फिर से घर वापस आ गए हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम चीजों को बदल सकेंगे। इसका एक कारण ये भी है कि इस बार भारत में पूरा विश्वकप खेला जाएगा, जबकि 2011 के विश्व कप की मेजबानी भारत ने बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ मिलकर की थी। रोहित ने वर्ल्ड कप की योजना को लेकर कहा, अभी भी बहुत लंबा रास्ता तय करना है और हम जानते हैं कि आप एक या दो दिन में विश्व कप नहीं जीत सकते, आपको पूरे महीने, डेढ़ महीने अच्छा खेलना होगा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अभी ओलंपिक नहीं, विश्व में शीर्ष तीन में जगह बनाना लक्ष्य: प्रणय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय भले ही ओलंपिक में जगह बनाने की दौड़ में आगे चल रहे हों लेकिन वह अभी पेरिस के बारे में नहीं सोचना चाहते। दरअसल, वो मौजूदा समय में उनका ध्यान विश्व में शीर्ष तीन खिलाड़ियों में जगह बनाने जैसे लक्ष्य पर है। पिछले 12 महीने में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले प्रणय की विश्व रैंकिंग अभी नौ है।

प्रणय ने मई में मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता जबकि पिछले हफ्ते सिडनी में ऑस्ट्रेलिया ओपन में भी खिताब जीतने के करीब पहुंचे लेकिन आखिर में उन्हें उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। इस दौरान प्रणय ने पीटीआई से कहा, ''अभी संभवत~मैं अच्छी स्थिति में हूं। मई के बाद मेरे लिए कुछ टूर्नामेंट अच्छे रहे लेकिन मैं कहूंगा कि मैं कभी संतुष्ट नहीं हूं। मैं हमेशा कोर्ट पर उतरकर बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं, यह हमेशा से मेरा इरादा रहा है।''

उन्होंने आगे कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में मैं लगातार क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में खेलने के सफल रहा हूं और अब मैं प्रयास कर रहा हूं कि मैं एक और दौर आगे जाऊं और फाइनल में जगह बनाऊं। और टूर्नामेंट में जीत दर्ज करूं।'' मौजूदा सत्र में दो फाइनल के अलावा तीन क्वार्टर फाइनल और एक सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले 31 साल के प्रणय 2017 में विश्व में आठवीं रैंकिंग हासिल की थी। लेकिन इसके बाद स्वास्थ्य कारणों से उनकी रैंकिंग 2021 में 33 हो गई।

तिरूवनंतपुरम के प्रणय ने पिछले साल दिसंबर में शीर्ष 10 में वापसी की और फिर इस साल मई में करियर की सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग हासिल की। उन्होंने कहा, ''आने वाले महीनों में शीर्ष पांच में आना या दुनिया में शीर्ष तीन में आना चुनौती होगी। मैं अब तक यह कभी नहीं कर पाया। मुझे लगता है कि अभी तक यही लक्ष्य है। मैं काफी आगे के बारे में नहीं सोच रहा, फिलहाल अभी ओलंपिक पर ही फोकस कर रहा हूं।''

प्रणय ने कहा, ''अब लक्ष्य बहुत छोटे हैं, हम अगले सप्ताह कैसा प्रदर्शन कर सकते हैं या कहें कि विश्व चैंपियनशिप या चीन ओपन, यही एकमात्र लक्ष्य है और बाकी चीजें अपने आप हो जाएंगी।'' प्रणय अब डेनमार्क में विश्व चैंपियनशिप में 21-27 अगस्त तक हिस्सा लेंगे जबकि इसके बाद चीन ओपन सुपर 1000 (पांच से 10 सितंबर) और हांगझोउ में एशियाई खेल होंगे। प्रणय पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे लेकिन इस बार वह अपने ऊपर कोई दबाव नहीं डालना चाहते, विशेषकर लगातार तीन टूर्नामेंट में खेलने के बाद। उन्होंने कहा, ''मैं अभी विश्व चैंपियनशिप के बारे में नहीं सोच रहा, मुझे पता है कि इसमें सिर्फ दो हफ्ते का समय बचा है। ईमानदारी से कहूं तो हमने कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीन टूर्नामेंट खेले।''

थॉमस कप में भारत की एतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाले प्रणय कोरिया में प्री क्वार्टर फाइनल, जापान में क्वार्टर फाइनल और ऑस्ट्रेलिया में फाइनल में पहुंचे। प्रणय ने कहा, ''विश्व चैंपियनशिप को देखते हुए हमारे पास मुश्किल से 10 दिन हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बीच इतने कम समय में शत प्रतिशत हासिल करना कठिन है, लेकिन हां, मैं अपने शरीर को विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार करने की कोशिश करूंगा। लेकिन मैं खुद पर दबाव नहीं डाल रहा कि मुझे विश्व चैंपियनशिप में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए क्योंकि हमें यह समझना होगा कि हमें पहले शरीर का ख्याल रखना होगा क्योंकि हमारे सामने एक लंबा सत्र है।''

बारह महीने की ओलंपिक योग्यता अवधि एक मई 2023 को शुरू हुई। योग्यता अवधि 28 अप्रैल 2024 तक चलेगी जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ी सप्ताह-दर-सप्ताह प्रतिस्पर्धा करेंगे। रैंकिंग अंकों के लिए चुनौती पेश करेंगे क्योंकि रेस टू पेरिस रैंकिंग सूची (30 अप्रैल 2024 की) के आधार पर शुरुआती क्वालीफायर का फैसला होगा।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Thursday, 10 August 2023

दर्शकों में गदर-2 को लेकर उत्साह

एडवांस के जरिये अब तक कमाई 2.75 करोड़!

सनी देओल अभिनीत गदर-2 को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग 31 जुलाई से शुरू की गई थी। रिलीज से पहले फिल्म का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है कि पहले दिन के लिए 1 लाख से ज्यादा टिकट्स बिके हैं। इस हिसाब से फिल्म ने रिलीज के पहले अनुमानतः 2.75 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। दिल्ली से सबसे ज्यादा बुकिंग हुई है। गदर 2 की तुलना में हुस्न-2 की स्थिति काफी खराब है। पहले दिन के लिए सिर्फ 5500 टिकट बिके हैं। इस हिसाब से फिल्म ने 42 लाख रुपए का एडवांस कलेक्शन कर लिया है। 22 साल पहले जब गदर रिलीज हुई थी, तो उसका भी क्लैश एक बड़ी फिल्म लगान से हुआ था। गदर को सभी ने हल्के में लिया था, हालांकि इस फिल्म ने लगान को पीछे करते हुए कमाई का रिकॉर्ड बनाया था। अब गदर 2 के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। इसका अक्षय कुमार की एक बड़ी फिल्म से क्लैश हो रहा है। हालांकि इस बार गदर 2 का क्रेज दूसरी फिल्म से ज्यादा है। शुरुआती आंकड़ों में तो गदर 2 काफी आगे निकलती दिख रही है। ऑडियंस तारा सिंह को देखने को दोबारा देखने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड है। फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी। पहले दिन 10 करोड़ से ज्यादा कमा सकती है फिल्म

खास बात यह है कि अभी फिल्म को रिलीज होने में 6 दिन का समय बचा हुआ है। ऐसे में एडवांस कलेक्शन और भी बढ़ सकता है। अगर फिल्म पहले दिन 10 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर ले तो किसी को ताज्जुब नहीं होना चाहिए। गदर 2 को सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट दिया है। इसके अलावा फिल्म में 10 कट्स भी लगाए गए हैं। कई डायलॉग्स पर सेंसर बोर्ड की कैंची चली है। फिल्म में दंगे के दौरान हर-हर महादेव के उद्घोष को हटा दिया गया है। तिरंगे की जगह झंडे शब्द का प्रयोग किया गया है। फिल्म के फाइटिंग सीन के बैकग्राउंड में शिव तांडव बज रहा था, जिसे एक नॉर्मल म्यूजिक

में तब्दील किया गया है। फिल्म का रन टाइम 2 घंटे 50 मिनट है। वहीं गदर-2 को सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट दिया है। यानी इसे 18 साल से कम आयु के लोग नहीं देख पाएंगे। सेंसर बोर्ड ने फिल्म में कोई कट नहीं लगाया है पर इसमें 25 बदलाव करने का सुझाव जरूर दिया है। इनमें सबसे बड़ा बदलाव यह है कि फिल्म में अक्षय को शिव नहीं, बल्कि शिव भक्त के किरदार में दिखाया जाए।

तमन्ना भाटिया बनीं देश की नई नेशनल क्रश!

फैशन और ग्लैमर की दुनिया में केवल कुछ ही सितारों के पास पूरे देश के दिलों पर कब्जा करने का करिश्मा, प्रतिभा और स्टाइल होती है। ऐसा ही एक सितारा जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नए मानदंड स्थापित कर रहा है, वह कोई और नहीं बल्कि तमन्ना भाटिया हैं।

अपने शानदार फैशन चॉइस, ज़बरदस्त अभिनय प्रदर्शन और अविश्वसनीय डांस मूव्स के साथ तमन्ना एक कम्पलीट पैकेज के रूप में उभरी हैं। साथ ही नेशनल क्रश का खिताब भी अर्जित किया है। हाल ही में तमन्ना का जबरदस्त लुक रेड कार्पेट और सोशल मीडिया पर समान रूप से धूम मचा रहा है। उनमें पारंपरिक एलिगेंस को कंटेम्परररी ट्रेंड्स के साथ सहजता से मिश्रित करने की क्षमता है, जिससे फैशन एनथुसिएस्ट उनकी अदा से मोहित हो जाते हैं। आकर्षित कर देने वाले एथनिक वियर से लेकर वेस्टर्न आउटफिट तक तमन्ना का वॉर्डरोब उनकी बेदाग पसंद को दर्शाता है। तमन्ना भाटिया की अभिनय क्षमता भी उनकी ऑउटफिट्स की तरह ही असाधारण है। समय-समय पर अपने किरदार में गहराई से जुड़ने की उनकी क्षमता को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने सराहा है। अभिनेत्री ने हाल ही में जी करदा और लस्ट स्टोरीज़ 2 में अपने शानदार अभिनय से लोगों को खूब एंटरटेन किया है। अपरंपरागत भूमिकाएं निभाने और उन्हें दृढ़ विश्वास के साथ दर्शाने की उनकी इच्छा ने भारतीय सिनेमा के इतिहास में उनका नाम मजबूत कर दिया है। अभिनय कौशल के अलावा तमन्ना की डांसिंग स्किल्स भी उतनी ही आकर्षक है। एक्ट्रेस के नए डांस नंबर कावाला ने उनके शानदार मूव्स का प्रदर्शन किया, जो लॉन्च के कुछ ही समय में देश में ट्रेंडिंग करने लगा। उनका ग्रेस, एनर्जी और एक्सप्रेशंस ने दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया, जिससे गाना म्यूजिक चार्ट के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तुरंत हिट हो गया। तमन्ना भाटिया देश की नई नेशनल क्रश बनने की उपलब्धि का श्रेय उनकी बहुमुखी प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व को दिया जा सकता है। आगे एक्ट्रेस की लिस्ट में कई रोमांचक फिल्में हैं, जिसमें जेलर और भोला शंकर से लेकर अरनमनई 4 और बांद्रा तक शामिल है। इसके अलावा तमन्ना के पास निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित फ़िल्म वेदा भी है।

ऐश्वर्या शर्मा पीली मोनोकिनी में दिए

किलर पोज

टीवी सीरियल अदाकारा ऐश्वर्या शर्मा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर खलबली मचा दी है। अदाकारा ऐश्वर्या शर्मा सामने आईं तस्वीरों में मोनोकिनी में बोल्डनेस का पारा बढ़ाती दिखीं। गुम है किसी के प्यार में फेम टीवी सीरियल अदाकारा ऐश्वर्या शर्मा इन दिनों पति नील भट्ट के साथ मालदीव वेकेशन्स के लिए निकली हैं। जहां से अदाकारा कई दिनों से पोस्ट शेयर कर फैंस को अपनी इस वेकेशन ट्रिप की झलकियां दिखा रही हैं। अब हाल ही में अदाकारा ऐश्वर्या शर्मा ने यैलो मोनोकिनी में बोल्ड तस्वीरें शेयर कर फैंस के बीच खलबली पैदा कर दी। सामने आईं इन तस्वीरों में ऐश्वर्या शर्मा पीले रंग की मोनोकिनी में फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती दिखीं। अदाकारा ऐश्वर्या शर्मा अपने मालदीव ट्रिप पर हद से ज्यादा बोल्ड होती दिखीं। जहां अदाकारा ने यैलो मोनोकिनी में अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस के बीच हलचल पैदा कर दी। सामने आईं तस्वीरों में अदाकारा ऐश्वर्या शर्मा पीले रंग की फ्लोरल मोनोकिनी में अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती दिखीं। जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही छा गईं।

कभी खुशी कभी गम की छोटी पूह ने की सगाई

फिल्म कभी खुशी कभी गम में छोटी पूह का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मालविका राज ने सगाई कर ली है। एक्ट्रेस ने तुर्की में अपने बॉयफ्रेंड प्रणव बग्गा से शादी की। मालविका के मंगेतर एक बिजनेसमैन हैं। मालविका ने अपनी इंटीमेट इंगेजमेंट सेरेमनी की तस्वीरें भी शेयर की है। इन तस्वीरों में मालविका खूबसूरत व्हाइट गाउन में नजर आ रही हैं। वहीं प्रणव घुटनों पर बैठकर एक्ट्रेस को प्रपोज करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। प्रणव ने तुर्किए के कैपाडोशिया में आसमान में उड़ रहे हॉट एयर बैलून के बीच मालविका को प्रपोज किया। इन तस्वीरों के साथ मालविका ने लिखा, हमनें एक नई शुरुआत की है। काफी लंबे इंतजार के बाद अब हमारा समय आ चुका है। हम अब भी साथ चल रहे हैं, ठीक वहीं से जहां से हमने शुरुआत की थी। आई लव यू! बता दें कि मालविका राज को करण जौहर की फिल्म कभी खुशी कभी गम में छोटी पू के किरदार से काफी लोकप्रियता मिली थी। वह हाल ही में रिनजिन डेन्जोंगपा के साथ वेब सीरीज स्क्वाड में नजर आई थीं। मालविका जल्द ही इमरान हाशमी के साथ फिल्म कैप्टन नवाब में दिखेंगी।

विलेन का रोल निभाना चाहते थे अनिल कपूर

चोली के पीछे क्या है गाने की रिलीज से पहले तनाव में थे

अनिल कपूर के साथ बातचीत को याद करते हुए सुभास घई से कहा, उसने मुझसे कहा कि सुभाष जी, मैं यह रोल करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मैंने उससे कहा कि ये तुझे सूट नहीं करेगा। तू जाएगा, मैं जाऊंगा और फिल्म भी जाएगी। सुभास घई की सुपरहिट फिल्म खलनायक को रिलीज हुए आज पूरे 30 साल बीत गए हैं। आज से तीन दशक पहले 6 अगस्त को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। एक वो समय था और आज का समय है। न तो फिल्म और न ही इसके गानों को लेकर लोगों का क्रेज कम हुआ है। फिल्म के गाने जैसे नायक नहीं खलनायक हूं मैं और चोली के पीछे क्या है आज भी शादियों में डीजे पर बजते हैं। इनकी धुन सुनते ही लोग इन्हें गुनगुनाते लगते हैं। खलनायक के 30 साल पूरे होने की खुशी में निर्माता सुभास घई ने फिल्म और इससे जुड़े कुछ अनदेखे पहलुओं पर खास बातचीत की है।

अनिल कपूर बनना चाहते थे खलनायक

बातचीत के दौरान सुभाष घई ने बताया कि खल नायक की कास्टिंग की अपनी एक अलग कहानी है। फिल्म निर्माता बस फिल्म के हीरो राम के किरदार को निभाने वाले अभिनेता के नाम को लेकर निश्चित थे। राम के लिए वह अभिनेता जैकी श्रॉफ को कास्ट करना चाहते थे, जो उन्होंने किया भी। लेकिन वह बाकी अन्य किरदारों के लिए कलाकारों के नाम पक्का नहीं कर पा रहे थे। सुभास ने कहा, राम, निश्चित रूप से, जैकी श्रॉफ थे। यह किरदार निभाना सबसे आसान था। मैं उसके बारे में बहुत स्पष्ट था। अनिल कपूर खलनायक की भूमिका निभाने के इच्छुक थे। वह दो-तीन बार मेरे घर आये। अनिल कपूर के साथ बातचीत को याद करते हुए सुभास घई से कहा, उसने मुझसे कहा कि सुभाष जी, मैं यह रोल करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मैंने उससे कहा कि ये तुझे सूट नहीं करेगा। तू जाएगा, मैं जाऊंगा और फिल्म भी जाएगी।

चोली के पीछे की रिलीज से पहले तनाव में थे सुभाष घई

फिल्म खलनायक की म्यूजिक एल्बम उस जमाने में एक बड़ी हिट साबित हुई। हालाँकि, इसकी रिलीज से पहले निर्माता फिल्म के गानों खासकर चोली के पीछे को लेकर काफी तनाव में थे। लेकिन म्यूजिक एल्बम के रिलीज होते ही फिल्म का टाइटल ट्रैक और गाना चोली के पीछे चार्टबस्टर साबित हुए। आनंद बख्शी के साथ खलनायक के गानों को लेकर हुई बातचीत को याद करते हुए सुभाष ने कहा, गीत के बोल के साथ रात को उन्होंने मुझे फोन किया और मैं चौंक गया। मैंने कहा, नहीं, हम इसे नहीं बना सकते। वे हंसने लगे। लेकिन हां, मैं काफी तनाव में था, इसलिए हमने इसे एक कलात्मक गीत बनाने का फैसला किया। ऐसे कई संगठन थे जिन्होंने गाने का विरोध किया। लेकिन मैंने उनसे हमेशा इसे पूरा सुनने के लिए कहा। आज, इस गाने ने पंथ का दर्जा हासिल कर लिया है और युवाओं द्वारा इसका आनंद लिया जाता है।

पीच साटिन शॉर्ट ड्रेस में मौनी रॉय का स्टाइलिश लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय को सुर्खियों में रहना अच्छे से आता है। वह अक्सर अपने लुक्स और फैशन स्टेटमेंट को लेकर लाइमलाइट बटोरती नजर आती हैं। यही वजह है कि लड़कियां भी उनके फैशन को करीब से फॉलो करती हैं। अब हाल ही में मौनी ने अपने स्टाइलिश लुक की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय को सुर्खियों में रहना अच्छे से आता है। वह अक्सर अपने लुक्स और फैशन स्टेटमेंट को लेकर लाइमलाइट बटोरती नजर आती हैं। यही वजह है कि लड़कियां भी उनके फैशन को करीब से फॉलो करती हैं। अब हाल ही में मौनी ने अपने स्टाइलिश लुक की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। मौनी रॉय ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस किसी रेस्टोरेंट में बैठ हुस्न-ए-अंदाज दिखा रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान मौनी पीच कलर की साटिन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस शॉर्ट ड्रेस में एक्ट्रेस अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। इस लुक को उन्होंने न्यूड मेकअप, ग्लोसी लिपस्टिक और खुले बालों से कंप्लीट किया है। कभी चेयर बैठ तो कभी आइने के सामने मौनी स्टाइलिश पोज दे रही हैं। फैंस हसीना की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं।

बेटियों संग ट्विनिंग कर देबिना ने करवाया क्यूट फोटोशूट

एक्ट्रेस देबिना बनर्जी इन दिनों अपनी दो बेटियों संग पेरेंटिंग एंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस काम से ब्रेक लेकर अपनी दोनों बच्चियों की परवरिश पर खूब ध्यान दे रही हैं और उनके हर पर को खास बनाते हुए तस्वीरों में संजोती हैं। अब हाल ही में देबिना ने अपनी दोनों बच्चियों के क्यूट फोटोशूट की कुछ त्सवीरें शेयर की हैं, जो इंस्टग्राम पर फैंस का खूब दिल जीत रही हैं। एक्ट्रेस देबिना बनर्जी इन दिनों अपनी दो बेटियों संग पेरेंटिंग एंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस काम से ब्रेक लेकर अपनी दोनों बच्चियों की परवरिश पर खूब ध्यान दे रही हैं और उनके हर पर को खास बनाते हुए तस्वीरों में संजोती हैं। अब हाल ही में देबिना ने अपनी दोनों बच्चियों के क्यूट फोटोशूट की कुछ त्सवीरें शेयर की हैं, जो इंस्टग्राम पर फैंस का खूब दिल जीत रही हैं। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर बेटियों की तस्वीरें शेयर कर देबिना बनर्जी ने कैप्शन में लिखा- अभी कुछ ही दिन पहले हमने अपने बच्चों के लिए कुछ तस्वीरें क्लिक कीं... और यह प्रक्रिया उतनी सहज नहीं थी जितनी तस्वीरें दिख रही हैं.. शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि इनमें मां-बेटी व्हाइट आउटफिट में ट्विनिंग किए नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में देबिना अपनी छोटी बेटी दिविशा को बाहों में लिए अपने पप्पी संग हंसते हुए पोज दे रही हैं। दूसरी तस्वीर में नन्ही दिविशा अपने डॉगी संग खिलखिलाते हुए पोज देती बेहद क्यूट लग रही है।